PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 268 ● भिलाई, मंगलवार 05 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

बंगाल में भगवा की चमक,तमिलनाडु में विजय की धमक, असम में बिस्वा पर विश्वास कायम

तमिलनाडु बड़ा उलटफेर:स्टालिन हारे विजय की पार्टी ने बदले समीकरण

तमिलनाडु। विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन अपनी ही सीट से चुनाव हार गए हैं, जिससे डीएमके को बड़ा झटका लगा है और पार्टी की करीब 10 साल पुरानी सरकार सत्ता से बाहर होती दिख रही है। इस चुनाव में सबसे बड़ा उभार अभिनेता विजय वलापति की पार्टी टीवीके का रहा है। पार्टी ने अकेले दम पर 110 सीटों पर बढ़त बनाकर सभी को चौंका दिया है। राज्य में बहुमत का आंकड़ा 117 है, ऐसे में टीवीके अपने दम पर सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंच गई है। तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी सितारों के राजनीति में आने का लंबा इतिहास रहा है, लेकिन इस बार विजय की एंट्री ने स्थापित राजनीतिक दलों के समीकरण ही बदल दिए हैं। जहां स्टालिन अपनी स्थिति को मजबूत मान रहे थे, वहीं पहली बार चुनावी मैदान में उतरी टीवीके ने आश्चर्यजनक प्रदर्शन कर सबको हैरान कर दिया।

असम चुनाव में हैट्रिक पर सीएम हिमंता बोले-सब पीएम का जादू है

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव 2026 में एनडीए ने ऐतिहासिक हैट्रिक जीत दर्ज की, जिसका श्रेय मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन और विकास कार्यों को दिया है। 126 में से 100 से अधिक सीटें जीतकर, भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राज्य में अपनी पकड़ मजबूत की और असम को एक अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया। 2026 के असम विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की निर्णायक जीत के बाद, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए आभार व्यक्त किया और राज्य के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की। मतगणना के रुझानों ने असम में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की भारी जीत की पुष्टि की, जिसके बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस सफलता का श्रेय विकास में जनता के विश्वास और केंद्र सरकार के निरंतर समर्थन को दिया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने असम की जनता को उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया और कहा कि जनादेश पिछले एक दशक में सरकार के प्रदर्शन की स्पष्ट स्वीकृति को दर्शाता है। हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि मैं पिछले 10 वर्षों में असम को दिए गए उनके अटूट समर्थन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य और केंद्र के बीच यह तालमेल असम के परिवर्तन की आधारशिला रहा है। भविष्य की ओर देखते हुए, मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि असम भारत में अग्रणी बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में असम राशी क्षेत्रों में नेतृत्व करेगा जो औद्योगिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने का संकेत था।

गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला-पीएम मोदी

- घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन लेंगे, पहली कैबिनेट में आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को बंपर जीत के बाद दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भी जश्न का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी मुख्यालय में पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने पांचों राज्यों की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी है। पीएम मोदी के पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने उनका स्वागत किया। पुष्पवर्षा के साथ पीएम मोदी का भव्य स्वागत हुआ। पीएम मोदी इस दौरान एक अलग परिधान में नजर आए। पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है जब वर्षों की साधना सिद्धि में बदलती है तो चेहरे पर जो खुशी होती है, वो खुशी मैं देशभर के बीजेपी कार्यकर्ता के चेहरे पर देख रहा हूं। आज का यह दिन कई मायनों में खास है। देश के उज्जवल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है। भरोसे का दिन है। भरोसा भारत के महान लोकतंत्र पर, भरोसा परफॉर्मेंस की कसौटी पर, भरोसा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना पर.. मैं बंगाल, असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु की जनता आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन को भी इस सफलता के लिए बधाई दी और उनकी तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा- बीजेपी के हर छोटे बड़े कार्यकर्ता ने कमाल कर दिया है आपने नया इतिहास रच दिया है। बीजेपी के अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा अध्यक्ष पद संभालने के बाद पहला चुनाव था इस चुनाव में हर कार्यकर्ता को इनका जो मार्गदर्शन मिला वह इस विजय में बहुमूल्य रहा है। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों पर कहा कि यह लोकतंत्र ही नहीं संवैधानिक संस्थाओं की भी जीत है। बंगाल में 93 प्रतिशत वोटिंग होना बहुत बड़ी बात है। इसके लिए चुनाव आयोग को बहुत बहुत बधाई। पीएम मोदी ने बिहार चुनाव परिणाम के बाद अपने संबोधन का जिक्र किया और कहा कि मैंने कहा था कि गंगा जी बिहार से होते हुए गंगा सागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक कमल ही कमल खिला हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के 20 से ज्यादा राज्यों में बीजेपी सरकार है। हमारा एक ही मंत्र है- नागरिक देवो भव:। इसलिए जनता बीजेपी ज्यादा से ज्यादा भरोसा कर रही है। जनता साफदेख रही है जहां भाजपा वहां गुड गर्वनेंस, जहां भाजपा वहां विकास। पीएम मोदी ने कहा-' डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्म को कितनी शांति मिली होगी। 1951 में जनसंघ की स्थानपना करके हर कार्यकर्ता को संदेश दिया था कि देश के लिए जीना है और देश के लिए मरना है। उन्होंने अपने जीवन से साबित किया कि राष्ट्र सर्वोपरि का मंत्र लेकर चलने वाले अपना जीवनदान देने में एक पल की भी देर नहीं करते। उन्होंने जिस समृद्ध बंगाल का सपना देखा था वह सपना कई दशकों से इंतजार कर रहा है। आज बंगाल की जनता ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को वह अवसर दिया है।

केरल में यूडीएफ गठबंधन की जीत के पांच बड़े कारण.....

कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) केरल विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत की ओर बढ़ रहा है। मतगणना के रुझान दस साल बाद सत्ता में वापसी का संकेत दे रहे हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के शासन का अंत होगा। चुनाव आयोग के दोपहर 3 बजे के रुझानों के अनुसार, यूडीएफ 140 में से 96 सीटों पर आगे है। यह गठबंधन आसानी से बहुमत का आंकड़ा पार कर चुका है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस- 64 सीट, 15 जीत, 49 पर आगे, आईयूएमएल- 22 सीट, दो जीत, 20 पर आगे, केरल कांग्रेस- सात सीट, दो जीत, पांच पर आगे रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी , केरल कांग्रेस (जैकब) एक सीट पर आगे हैं। वहीं, रिवोल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने एक सीट पर जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 9 अप्रैल को 140 निर्वाचन क्षेत्रों में हुआ था। इसमें 78.27 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। चुनाव आयोग के अनुसार, कुल 883 उम्मीदवार मैदान में थे। मतगणना प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा के बीच जारी है।

यह विजय भारतीय लोकतंत्र की सशक्तता, जनविश्वास और राष्ट्रवाद की भावना का है उज्ज्वल प्रतीक: साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए को प्राप्त ऐतिहासिक जनादेश के लिए वहां की जागरूक, राष्ट्रनिष्ठ एवं विकासोन्मुख जनता का हृदय से अभिनंदन। यह विजय भारतीय लोकतंत्र की सशक्तता, जनविश्वास और राष्ट्रवाद की भावना का उज्ज्वल प्रतीक है। असम और पुडुचेरी में पुन: जनादेश व पश्चिम बंगाल में मिली ऐतिहासिक सफलता, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दृढ़ नेतृत्व, सुशासन और विकसित भारत' के संकल्प पर जनता की अटूट आस्था की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। उन्होंने आगे लिखा कि यह जनादेश तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और भय की राजनीति पर विकास, सुशासन एवं राष्ट्रहित की निर्णायक विजय है। बंगाल की यह ऐतिहासिक जीत वहां के समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, त्याग और संकल्प का परिणाम है। इस ऐतिहासिक जीत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय नितिन नवीन जी के सशक्त संगठनात्मक नेतृत्व एवं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के कुशल मार्गदर्शन में सभी समर्पित कार्यकर्ता, संगठन पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि सहभागी रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में जज अमन कुमार शर्मा ने किया सुसाइड, फंदे से लटका मिला शव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सफदरजंग इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां 35 वर्षीय जज अमन कुमार शर्मा ने कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद न्यायिक और कानूनी जगत में शोक की लहर फैल गई है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, घटना की जानकारी शनिवार दोपहर करीब 1:45 बजे मिली। बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना परिवार के किसी सदस्य द्वारा दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में जज अमन कुमार शर्मा का शव घर के अंदर फंदे से लटका हुआ पाया गया।

खुली जगह में नमाज की इजाजत नहीं, इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सार्वजनिक स्थलों पर धार्मिक गतिविधियों, विशेषकर नमाज़ पढ़ने को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का एकाधिकार स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक स्थल सभी नागरिकों के लिए होते हैं और उनका उपयोग कानून के दायरे में रहकर ही किया जा सकता है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संविधान द्वारा दी गई ।

संगोष्ठी चार से छह मई तक आयोजित की जा रही

राजनाथ ने किया नॉर्थ टेक सिम्पोजियम का उदघाटन

प्रयागराज । एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को न्यू कैंट स्थित कोबरा ऑडिटोरियम ग्राउंड में भारतीय सेना द्वारा आयोजित 'नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। यह तीन दिवसीय संगोष्ठी चार से छह मई तक आयोजित की जा रही है, जिसका आयोजन भारतीय सेना की उत्तरी कमान और मध्य कमान के साथ-साथ सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। संगोष्ठी का मुख्य विषय 'रक्षा त्रिवेणी संगम' रखा गया है, जो आयोजन की मूल भावना को परिभाषित करता है। इस मंच के माध्यम से भारतीय सेना को परिचालन संबंधी चुनौतियों, अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन और उनके प्रभावी एकीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम में देशभर के एमएसएमई, निजी रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनियां, स्टार्टअप्स और सैन्य कर्मी भाग ले रहे हैं। कुल 284 कंपनियां अपने नवीनतम नवाचारों और तकनीकों का प्रदर्शन कर रही हैं। इस आयोजन का उद्देश्य फील्ड तैनाती और रखरखाव प्रक्रियाओं के लिए उपयुक्त तकनीकों की पहचान करना तथा रक्षा खरीद प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित बनाना है, जिससे भारतीय सेना के लिए आत्मनिर्भर और टिकाऊ रक्षा प्रणाली को बढ़ावा मिल सके। भारतीय सेना लगातार बदलती सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की परिचालन उपयोगिता और नवाचार की आवश्यकता पर बल देती रही है।

गुरुग्राम में खौफनाक वारदात, सनकी शख्स ने पत्नी और चार बच्चों को उतारा मौत के घाट

गुरुग्राम। गुरुग्राम के वजीरपुर इलाके से एक बेहद दर्दनाक और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। शनिवार देर रात एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि पति नाजिम ने अपनी पत्नी और चार छोटे-छोटे बच्चों को जहर दे दिया और फिर खुद भी सुसाइड करने की कोशिश की। नाजिम मुरादाबाद का रहने वाला था और गुरुग्राम में किराए के मकान में परिवार के साथ रहता था। वह यहां सैलून चलाकर अपने परिवार का खर्च चलाता था। करीब सात साल पहले उसने दिल्ली की रहने वाली नजमा से प्रेम विवाह किया था। दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाई थीं।

सुनेत्रा पवार ने रचा नया कीर्तिमान

देश में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड तोड़कर बारामती में फहराया परचम

नई दिल्ली/ एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से बारामती का नाम पूरे देश में गूंज रहा है। बारामती विधानसभा क्षेत्र में हुए बहुचर्चित उपचुनाव में महायुति की उम्मीदवार और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने एक ऐसा ऐतिहासिक और एकतरफा विजय हासिल किया है, जिसकी चर्चा पूरे राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। सुनेत्रा पवार ने महज एक जीत दर्ज नहीं की है, बल्कि उन्होंने देश के चुनावी इतिहास में सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल करने का एक नया और अकल्पनीय रिकॉर्ड स्थापित कर दिया है। 24वें दौर की मतगणना के अंत तक, सुनेत्रा पवार को 2 लाख 18 हजार 930 वोटों की भारी बढ़त मिली, जिसने उन्हें देश की राजनीति में एक अमिट पहचान दिला दी है। इस बंपर और अभूतपूर्व जीत के साथ ही सुनेत्रा पवार ने उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से विधायक सुनील कुमार शर्मा के उस रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया है, जिसे तोड़ना बेहद मुश्किल माना जा रहा था। ज्ञात हो कि साल 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में सुनील कुमार शर्मा ने 2 लाख 14 हजार 835 मतों के भारी अंतर से जीत दर्ज कर देश में सबसे बड़ी जीत का कीर्तिमान अपने नाम किया था। लेकिन अब बारामती उपचुनाव में 2 लाख 18 हजार 930 वोटों के जादुई और ऐतिहासिक आंकड़े को पार करके सुनेत्रा पवार ने सुनील कुमार शर्मा को पछाड़ दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ने के साथ-साथ सुनेत्रा पवार ने बारामती के स्थानीय और पारिवारिक राजनीतिक इतिहास में भी एक नया पन्ना जोड़ा है।

कटहल-गुलमोहर की छांव में सजी चौपाल

मुख्यमंत्री साय ने सरोधी में सुनी जनता की आवाज

- खाट में बैठकर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, सुनी समस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान के ग्राम सरोधी पहुंचे, जहां उन्हें अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह, आत्मीयता और अपनत्व का अनोखा दृश्य देखने को मिला। मुख्यमंत्री के आगमन से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण उन्हें देखने और उनसे मिलने उमड़ पड़े। गांव की महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने महुआ, चार, आम और रखियां बड़ी भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया, वहीं स्कूली बच्चों ने अपने हाथों से तैयार गुलमोहर और कनेर के फूलों के गुलदस्ते भेंट कर अपनी खुशी और सम्मान व्यक्त किया। यह स्वागत ग्रामीण संस्कृति और सादगी की जीवंत झलक बन गया। ग्राम सरोधी के पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में कटहल और गुलमोहर के पेड़ों की छांव तले मुख्यमंत्री ने खाट पर बैठकर चौपाल लगाई और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस सहज और आत्मीय वातावरण में उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से हम आपके बीच आकर आपका हाल-चाल जानने, सुख-दुख सुनने और योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन को समझने आए हैं। यह अभियान 1 मई से 10 जून तक चलेगा, जिसमें सरकार स्वयं आपके द्वार तक पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सुशासन तिहार सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी इसी तरह समस्याओं का संकलन कर समाधान शिविरों के माध्यम से उनका निराकरण किया गया था और इस वर्ष भी उसी प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी रूप में लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनकी सरकार को अभी महज 28 माह हुए हैं, लेकिन मोदी की गारंटी के तहत अधिकांश वादों को पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है और दो वर्षों का बकाया बोनस भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा कर दी गई है, जिससे वनांचल क्षेत्र के लोगों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना और तीर्थ यात्रा दर्शन योजना के माध्यम से लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने विशेष रूप से पेयजल समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि जनसमस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के साथ और समयबद्ध तरीके से किया जाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्राम सरोधी एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणा की। इनमें राशन पीडीएस दुकान की स्थापना, नवीन ग्राम पंचायत भवन, पूर्व माध्यमिक शाला के लिए नए भवन का निर्माण शामिल है।

ज्ञान अमृत विद्यालय में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

धमतरी। ज्ञान अमृत विद्यालय धमतरी में वार्षिक परीक्षा परिणाम छात्र-छात्राओं एवं पलकों की उपस्थिति में विद्यालय के प्राचार्य विनोद पांडेय द्वारा घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा जिसमें हिन्दी माध्यम से कक्षा केजी टू में प्रथम नोहेन्द्र सोनकर 98.5 प्रतिशत, द्वितीय गजेंद्र यादव 81.3 प्रतिशत, पहली में प्रथम अनुष्का ध्रुव 94 प्रतिशत, द्वितीय हिमांशी चक्रधारी 88.6 प्रतिशत, दूसरी में प्रथम दिशा सोनकर 90 प्रतिशत, द्वितीय डीयुषा लोधी 84 प्रतिशत, तीसरी में प्रथम डीकेश हिरवानी 90 प्रतिशत, द्वितीय गौरांग कौशिक 81.6 प्रतिशत, चौथी में प्रथम ख्यातिरानी कौशिक 95.5 प्रतिशत, द्वितीय भूमिका भारत 83.5 प्रतिशत, छठवीं में प्रथम हर्षिता निर्मलकर 90.8 प्रतिशत, द्वितीय ललेश साहू 90 प्रतिशत, सातवीं में प्रथम मीनाक्षी पेंदरिया 87.16 प्रतिशत एवं नव्या पटेल 81 प्रतिशत द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी माध्यम से कक्षा नर्सरी में प्रथम नम्रता ध्रुव 100 प्रतिशत, द्वितीय नमन रिगरी 98 प्रतिशत, केजी वन में प्रथम आस्था सोनकर 97.5 प्रतिशत, द्वितीय हर्षिता सोनकर 94.5 प्रतिशत, केजी टू में प्रथम कुणाल सोनी 99.5 प्रतिशत, द्वितीय बुआन गुप्ता 99 प्रतिशत, पहली में प्रथम अर्यांश साहू 91.33 प्रतिशत, द्वितीय कशिश पटेल 89.33 प्रतिशत, दूसरी में प्रथम आरवी खरे 93.3 प्रतिशत, द्वितीय लीना यादव 88 प्रतिशत, तीसरी में प्रथम भूमिजा पदमवार 97 प्रतिशत, द्वितीय हिमांशु साहू 84.6 प्रतिशत, चौथी में प्रथम लावन्या सोरी 92 प्रतिशत, द्वितीय माधवी कुंभकार 91 प्रतिशत, छठवीं में प्रथम तारिणी बावने 83.8 प्रतिशत, द्वितीय ट्विंकल देवांगन 80 प्रतिशत, सातवीं में प्रथम एकांत निर्मलकर 91.5 प्रतिशत, द्वितीय नव्या सोनकर 88.5 प्रतिशत, नवमी में प्रथम अजय कुमार 92.5 प्रतिशत एवं दिग्दर्शो यादव 91.3 प्रतिशत द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार पाण्डेय ने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों जिंदगी बहुत लंबी है। यहां हर 6 महीने में रिजल्ट आता है। जो गिरकर उठना सीख जाता है वही असली टॉपर है। तुम्हारे नंबर कुछ भी हो, मेरे लिए तुम सब विजेता हो। मार्कशीट सिर्फ यह बताती है कि उस 3 घंटे के पेपर में तुमने क्या लिखा। यह नहीं बताती कि तुम कितने मेहनती हो, कितने ईमानदार हो या तुममें कितनी हिम्मत है। दुनिया में सबसे कामयाब लोगों की मार्कशीट देखोगे तो चौंक जाओगे। अंक रास्ता दिखाते हैं, मंजिल तय नहीं करते। यह परीक्षा परिणाम छात्र-छात्राओं के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर हुई भाजपा की बैठक

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी समय में आयोजित किए जाने वाले जिला स्तरीय पं.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा जिला कार्यालय धमतरी में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, विभिन्न सत्रों के विषय, वक्ताओं की जिम्मेदारी तथा समग्र प्रबंधन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम है। आवासीय प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को एक ही स्थान पर रहकर गहन अध्ययन, संवाद और अभ्यास का अवसर मिलता है, जिससे उनकी कार्यक्षमता और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता और अधिक मजबूत होती है। बैठक में तय किया गया कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों, पार्टी की विचारधारा, संगठन की कार्यपद्धति, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएं, सोशल मीडिया प्रबंधन, जनसंपर्क, चुनाव प्रबंधन एवं सेवा कार्य पर विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही प्रत्येक सत्र को प्रभावी बनाने के लिए अनुभवी वक्ताओं की नियुक्ति तथा समयबद्ध कार्यक्रम तैयार करने पर सहमति बनी। इसके अलावा प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं के लिए भोजन व्यवस्था, आवास व्यवस्था, पंजीयन, अनुशासन, तकनीकी सहयोग, प्रचार-प्रसार तथा अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। विभिन्न वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपने पर चर्चा की गई, ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस, प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष ठाकुर शशि पवार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश शर्मा, जिला महामंत्री राकेश साहू एवं महेंद्र पंडित, जिला मंत्री हेमंत चंद्राकर, पूर्व महापौर अर्चना चौबे, कोषाध्यक्ष चेतन हिंदुजा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांक मिश्रा, पूर्व महामंत्री अविनाश दुबे, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष मोहन पुजारी एवं अतुल साहू, जिला मीडिया प्रभारी उमेश साहू उपस्थित रहे।

हाई स्कूल रोहिना का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

अनिल ओगरे 80 फीसदी अंक लेकर कक्षा में प्रथम

सरायपाली। शासकीय हाई स्कूल रोहिना में दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी शत प्रतिशत रहा जिसमें समस्त छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर एक मिसाल कायम की। अनिल ओगरे ने 80% अंक हासिल कर कक्षा में प्रथम, दिव्या राणा 76% एवं अजय राणा 75.66% अंक हासिल कर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किये। प्राचार्य अजय कुमार जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2023 में परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत आने पर महासमुंद जिला कलेक्टर प्रभात मलिक के हाथों सम्मानित होने का अवसर मिला था। वर्ष 2024 में 94% एवं 2025 में पुनः परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत आने के बाद इस वर्ष छात्रों को मिली शानदार सफलता उत्साहित करने वाला है। शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष नेपाल साहू ने कहा कि शिक्षकों की मेहनत एवं स्कूल के प्रति समर्पण के चलते लगातार उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देखने को मिल रहा है। व्याख्याता कमलेश साहू ने बताया कि महासमुंद जिला शिक्षाधिकारी के मार्ग दर्शन में इस वर्ष बढ़ते कदम के नाम से एक अभिनव पहल करते हुए साप्ताहिक एवं मासिक टेस्ट परीक्षा लिया गया जिसका सकारात्मक प्रभाव छात्रों पर पड़ा। साथ में स्कूल में वर्ष भर सहसंज्ञानात्मक गतिविधियां संचालित की गई जिसका सुखद परिणाम देखने को मिला।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का भी सीधा प्रसारण किया गया जिसके चलते परीक्षा को लेकर छात्रों में झिझक एवं भय दूर हुआ। परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत आने पर जिला शिक्षाधिकारी बीएल देवांगन, विकासखंड शिक्षाधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, बीआरसीसी अनिल साव, एबीईओ लोकेश्वर कंवर, संकुल प्रभारी पीएन ठाकुर, संकुल समन्वयक नन्द कुमार चौहान एवं एसएमडीसी अध्यक्ष नेपाल साहू, सरपंच धनुर्जय मरकाम, सांसद प्रतिनिधि चुड़ामणि साहू, व्याख्याता क्रांति कुमार साहू आदि ने बधाई दी है।

तपती धूप में ठंडक का एहसास-रसीला बेन दोशी की मठा सेवा बनी राहत का आधार

धमतरी। भीषण गर्मी में रन्नाबांधा रोड पर सौजन्यकर्ता रसीला बेन दोशी ने सहयोगियों के साथ राहगीरों के लिए शीतल, स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्धक मठा सेवा का आयोजन किया। रसीला बेन ने कहा कि गर्मी में राहगीरों को ठंडक और राहत देना ही इस सेवा का उद्देश्य है। मठा पीने वालों ने इसे अमृत समान बताते हुए सराहना की। इस सेवा में प्रिया पंजवानी, वर्षा खंडेलवाल, पायल खंडेलवाल, सुमन शर्मा, रजनी भारद्वाज, सुलेखा जोशी, धनश्री जोशी, अशोक खंडेलवाल, पराग दोशी, सुनील भारद्वाज, अंगद पंजवानी, बिपिन दोशी, गोपाल शर्मा एवं सरिता दोशी का सहयोग रहा।

संयुक्त जांच टीम ने भाटापारा में होटलो का किया निरीक्षण, गुणवत्ता और साफ़-सफाई रखने के निर्देश

बलौदाबाजार। जिले में सही दवा शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान के तहत संयुक्त टीम द्वारा खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में भाटापारा एवं सिमगा स्थित होटलो का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा टीम के द्वारा श्याम स्वीट्स हाउस भाटापारा, मिलन होटल लिमतरा, श्री कृष्णा डेयरी सिमगा, संगम डेयरी सिमगा, जय मां दुर्गा स्वीट्स सिमगा का गहन निरीक्षण कर मिलन होटल लिमतरा में खराब आलू मसाले को नष्ट करवाया गया।साथ ही खाद्य कारोबारकर्ताओं को दृश्यमान स्थान पर लायसेंस प्रदर्शित करने, साफ सफाई रखने, खाद्य पदार्थ को ढककर रखने व परोसने के लिए अखबारी पेपर का उपयोग नहीं करने, फर्मों में साफ पेयजल की व्यवस्थ्य करने, फूड हैंडलर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कराने, हैंड ग्लब्स एवं हेड कवर पहनने के निर्देश खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दिये गये।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता अभियान का आयोजन

बलौदाबाजार। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इस वर्ष टीबी मुक्त भारत अभियान-100 दिवसीय अभियान मनाया जा रहा है। टीबी मुक्त भारत अभियान भारत में टी. बी. (तपेदिक/क्षय रोग) को समाप्त करने की एक राष्ट्रीय पहल है। भारत सरकार, खान मंत्रालय के अधीन भारतीय खान ब्यूरो, रायपुर, के तत्वाधान में, मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, यूनिट कुकुरडीह सीमेंट वर्क्स के कुकुरडीह लाइमस्टोन खदान में भी टीबी मुक्त भारत अभियान-100 दिवसीय अभियान की शुरुवात की गई। टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुवात कुकुरडीह लाइमस्टोन खदान के कर्मचारियों एवं श्रमिकों के मध्य शपथ ग्रहण से की गयी जिसमे सभी ने यह संकप लिया कि इस रोग को भारत से खत्म करने में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे और टीबी से संबंधित कलंक और भेदभाव को समाप्त करेंगे। इस कार्यक्रम को अभिषेक भारद्वाज (एफएच-माइंस) के द्वारा सम्बोधित किया गया और हेमंत वर्मा (एस एच-जियोलॉजिस्ट) एवं संदीप सिंह (एसएच-माइंस मेंटेनेंस) ने माइंस के कर्मचारियों एवं कॉन्ट्रैक्टर के श्रमिकों को टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में जागरूक किया। इसी कड़ी में, रोहित यादव, चीफ मेडिकल ऑफिसर के दिशा निर्देशानुसार मेडिकल टीम धीरज भुवा एवं अनुपमा राठौर के द्वारा माइंस के कर्मचारियों एवं कॉन्ट्रैक्टर के श्रमिकों को माइंस ऑफिस में कार्यक्रम आयोजित कर बताया कि टीबी उन्मूलन एक राष्ट्रीय लक्ष्य है। यह अभियान न केवल स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक समर्थन के द्वारा मरीजों को फिर से स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। कुकुरडीह लाइमस्टोन खदान के आश्रित ग्राम कुकुरडीह में टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में जागरूकता का कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमे गांव के सरपंच- टिकेश्वर ध्रुव (सरपंच) एवं डोमार साहू (उप-सरपंच) और गांव की महिलाओ के साथ-साथ अन्य नागरिको के द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। कुकुरडीह सीमेंट वर्क्स के मेडिकल टीम धीरज भुवा एवं अनुपमा राठौर के द्वारा ग्रामवासियो को टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में बताया गया। मेडिकल टीम ने बताया कि भारत सरकार की ओर से टीबी के मरीजों को उपचार के दौरान पोषण के लिए प्रति माह 500 (डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर) की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, आम जनता, संगठन, और नेता 'निक्षय मित्र' के रूप में टीबी मरीजों को गोद ले सकते हैं, उन्हें पोषण संबंधी सहायता (पोषण किट) प्रदान कर सकते हैं। इस पहल से तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में समाज की सक्रिय भागीदारी बढ़ेगी और इस गतिविधि का उद्देश्य जनता के बीच तपेदिक के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। अल्ट्राटेक कुकुरडीह सीमेंट वर्क्स की ओर से हेमंत वर्मा (एस एच-जियोलॉजिस्ट) उपस्थित रहे। सीएसआर टीम की ओर से दया वर्मा एवं परमेश्वर साहू द्वारा कार्यक्रम के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। कार्यक्रम में संवादात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया, जिससे महिलाओं में टीबी को लेकर जागरूकता और विश्वास बढ़ा। अल्ट्राटेक कुकुरडीह सीमेंट वर्क्स ने इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य एवं टीबी-मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सही दवा शुद्ध आहार अभियान के तहत जिला बलौदा बाजार में की गई जांच

बलौदाबाजार। जिला बलौदा बाजार में सही दवा शुद्ध आहार- यही छत्तीसगढ़ का आधार, अभियान के चतुर्थ दिवस में 08 ग्रामीण कॉस्मेटिक दुकानों में जांच की गई।विशेष रूप से कॉस्मेटिक के क्रय विक्रय, भंडारण, रख रखाव संबंध में जांच की गई एवं उचित दिशा निर्देश दिया गया। अभियान के द्वितीय चरण के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में वैक्सीन के संबंध में थोक औषधि प्रतिष्ठानों, अस्पताल संलग्न फार्मेसी में एवं शासकीय अस्पतालों में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वैक्सीन को उचित तापमान, भंडारण एवं कोल्ड चेन के संबंध में जांच किया गया।

गरियाबंद जिले के विद्यार्थियों ने रचा इतिहास बोर्ड मेरिट सूची में 5 छात्रों ने बनाई जगह

गरियाबंद। शैक्षणिक सत्र 2025-2026 में घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम जिले के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व उपलब्धियों वाला रहा। जहां कक्षा 12 वीं के परीक्षा परिणाम में जिले के चार विद्यार्थियों ने राज्य मे टॉप टेन रैंक हासिल किया। इनमें सेजेस छुरा के महक सचदेव ने 97 प्रतिशत अंक अर्जित करके 7 वाँ रैंक प्राप्त किया। इसी प्रकार तनिषा साहू शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कौन्दकेरा ने 96.80 प्रतिशत अंक अर्जित करके 8 वाँ रैंक हासिल किया। विद्या रानी साहू शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सड़क परसूली ने 96.40 प्रतिशत अंक अर्जित करके 10 वाँ रैंक एवं प्रेमिन सोनकर शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल राजिम की छात्रा ने 96.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर 10 वाँ रैंक प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 10वीं में सरस्वती शिशु मंदिर कोपरा के नोबेल कुमार साहू ने 97.83 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश में आठवां स्थान हासिल किया। इस बार गरियाबंद जिला में कक्षा-10 वी में 5 प्रतिशत अधिक 84.16 प्रतिशत एवं 12 वी में 3 प्रतिशत अधिक 92.89 प्रतिशत परिणाम आए पिछले वर्ष की अपेक्षा। जिला-गरियाबंद में 10 वी में एक छात्र और और 12 वी में 4 छात्राएं टाप-10 में आये है, कु. विद्या रानी साहू के निवास ग्राम रावणसिंघि जाकर जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर, प्राचार्य फेबिया लकड़ा, व्याख्याता प्रदीप यादव, डीएमसी शिवेश शुक्ला, श्याम चंद्राकर, मनोज केला, बीईओ गजेंद्र ध्रुव, देवनाथ बघेल, बीआरसी छबू सिन्हा, प्राचार्य ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दी।

सलेरिया नदी में रेत माफियाओं का बज रहा डंका, पूरी रात चल रहा अवैध खनन

धमतरी। हे मानव.. मुझ पर इतना जबरदस्त बोझ न डालो कि मेरा वजूद ही समाप्त हो जाये। रात भर मेरे सीने में चलने वाली जेसीबी से मेरा सीना छलनी हो चुका है, सांसें फूल रही हैं। जल, जंगल, जमीन को उपजाऊ और सदा हरा-भरा रखने के उद्देश्य से मैं वर्षों से यहां से गुजरती हूं। लेकिन मुझे अफसोस है कि मेरे स्थायित्व को लेकर कोई भी मानव सुरक्षा के इंतजाम नहीं कर रहे हैं जिसके कारण अब मेरा वजूद समाप्त होने के कगार पर पहुंच चुका है। क्षेत्र की नदियों से लगातार अवैध उत्खनन के चलते ऐसी धारणा क्षेत्र के निवासियों की है जिन्होंने नदियों की दास्तान बयां करते हुए उपरोक्त बातें कहीं। शासन के जिम्मेदार अधिकारी के होते हुए निरंतर अवैध उत्खनन एक नासूर बन चुका है। आने वाले समय में शायद धमतरी जिले के लोगों को रेत मयस्सर न हो। हाल ही में नगरी, सिहावा क्षेत्र के लोगों ने इस प्रतिनिधि को बताया कि सलेरिया नदी में रेत माफियाओं के द्वारा पूरी रात अवैध उत्खनन, परिवहन कर डंका बजाया जा रहा है। लेकिन वाह रे संबंधित विभाग.. अभी तक कुंभकरणी नींद में सोया हुआ है जबकि इस क्षेत्र में छत्तीं अनुसूची लागू है। यहां से किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन, परिवहन करना कानूनन अपराध है बावजूद रेत माफियाओं का यह दावा है कि हमारे द्वारा रेत के अवैध उत्खनन के बदले रोजाना एक मोटी रकम संबंधित विभाग के लोगों को दी जा रही है। इसलिये हमारे ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हो सकता। खनिज विभाग के अंतर्गत आने वाले गौण खनिजों के सुरक्षा को लेकर यहां पदस्थ अधिकारियों के जिम्मे ऐसे अवैध उत्खनन, परिवहन को रोकने की पूर्ण जवाबदारी है। लेकिन दिखावे के लिये कुछ जेसीबी, चैन माउंटेन, हाईवा, ट्रेक्टर को पकड़कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। शासन का स्पष्ट आदेश है कि किसी प्रकार का अवैध उत्खनन, परिवहन नहीं होना चाहिये। लेकिन राजधानी में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद भी यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। महानदी, पैरी नदी सहित अन्य नदियों से जेसीबी, चैन माउंटेन मशीन के माध्यम से रेत का उत्खनन कराया जाता है और उसे तड़के बंद कर दिया जाता है। रेत से भरी हाईवा रातोंरात विभिन्न जिलों के लिये रवाना हो जाती है। दिन में दिखावे के लिये यह खनन बंद हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर शासन, प्रशासन रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन अथवा मुरूम, गिट्टी के निकासी को रोकने के लिये बैरियर क्यों नहीं लगाता? जिससे अनेक प्रकार के संदेह जिलेवासियों को होते हैं। अब जब महानदी पूरी तरह अपनी बर्बादी के कगार पर पहुंच चुकी है तो ऐसे रेत माफियाओं द्वारा अब जंगल के भीतर स्थित नदियों से भी रेत निकालने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण बगरूमनाला-मुरूमसिल्ली के मध्य स्थित सलेरिया नदी से दिया जा सकता है जहां सत्तापक्ष के कुछ लोगों के ईशारे पर यहां रात भर जेसीबी, हाईवा, चैन माउंटेन मशीन चलाकर सैकड़ों हाईवा रेत का अवैध परिवहन, उत्खनन करवाया जा रहा है जिससे शासन को लाखों रूपये की रॉयल्टी का नुकसान उठाना पड़ रहा है जिसे लेकर ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

नगरी सिहावा क्षेत्र छठीं अनुसूची में शामिल है जहां से शासन के निर्देशानुसार रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित है। रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन को लेकर पिछले दिनों राजधानी के एक दमदार आईएएस अधिकारी ने 11 जिलों के कलेक्टरों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिया है कि क्षेत्र में हो रहे अवैध रेत, मुरूम, गिट्टी उत्खनन पर फौरी और सख्त कार्यवाही किया जाये।

यदि इसके बाद भी किसी क्षेत्र से इसकी जानकारी प्राप्त होती है तो संबंधित जिले के कलेक्टर पर कार्यवाही आवश्यंभावी है। राजधानी के दमदार आईएएस अधिकारी के निर्देश का पालन खनिज विभाग में बैठे अधिकारी नहीं कर रहे हैं जिसके कारण धमतरी जिले के नदियों से एवं वन क्षेत्रों से रेत, मुरूम, गिट्टी की अवैध निकासी धड़ल्ले से जारी है। बगरूमनाला-मुरूमसिल्ली के मध्य हो रहे अवैध उत्खनन का क्षेत्र वन विभाग के अंतर्गत आता है। हास्यास्पद तथ्य यह है कि अवैध गौण खनिज उत्खनन की निकासी को लेकर वन अमला पूरी तरह निष्क्रिय है। यदि वह चाहे तो बनरौद और अछोटा में बैरियर के संचालकों को स्पष्ट निर्देश दे सकता है कि वह ऐसी हाईवा, जेसीबी के गुजरने पर उनका नंबर दर्ज करें, उनके मालिक का नाम दर्ज करें, यदि अनुमति न हो, पिटपास न हो तो उन हाईवा, जेसीबी को रोका जाये।

लेकिन अब तक इस दिशा में वन विभाग द्वारा भी कोई कदम नहीं उठाया गया है जिससे पता चलता है कि संबंधित क्षेत्र के रेंज अफसरों की इसमें पूरी तरह मिलीभगत है। खबर के मुताबिक गौण खनिज उत्खनन के लिये इस क्षेत्र के कुछ जनप्रतिनिधि पूरी तरह ऐसे माफियाओं को प्रश्रय दिये हुए हैं। हो सकता है कि इनके दबाव के चलते वन अमला, खनिज अमला मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं। वहीं ग्रामीणों ने नदियों से हो रहे अवैध उत्खनन, परिवहन से नदियों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने की बात कहते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा से मांग की है कि वे ऐसे लोगों पर कार्यवाही करने का निर्देश संबंधित विभाग को देंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस जो स्वयं जिले के आदिवासी अंचल नगरी, सिहावा क्षेत्र में निवास करते हैं, जब उनसे क्षेत्र में चले रहे अवैध रेत उत्खनन के बारे में पूछा गया तो उनका कहना था कि यह सही है कि क्षेत्र में छत्तीं अनुसूची लागू है। किसी भी प्रकार का उत्खनन पर प्रतिबंध है। आपके माध्यम से बगरूमनाला-मुरूमसिल्ली के मध्य स्थित सलेरिया नदी से रेत के अवैध उत्खनन की जानकारी मिली है। मैं तत्काल इस पर जिला कलेक्टर, खनिज विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर उपरोक्त क्षेत्र में चल रहे अवैध उत्खनन, परिवहन रोक लगाने कह रहा हूं।

संक्षिप्त समाचार

शादी के नाम पर महिला ने वृद्ध से किया 9.50 लाख की ठगी

रायपुर। शादी करने के नाम पर महिला ने 80 वर्षीय वृद्ध से 9.50 लाख रुपए की ठगी की। हांडीपारा निवासी मनहरण लाल टिकरिया 80 ने कल शाम आजाद चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। वृद्ध ने शादी के लिए रिश्ता तलाशने के क्रम में एक वर्ष पूर्व दिल्ली के मैरिज ब्यूरो से संपर्क किया था। वहां से एक महिला रजनी शर्मा का रिश्ता बताया गया। फोन नंबर 7383175804 से रजनी ने मनहरण से संपर्क कर शादी करने और कई बहाने बना कर अपने बताए खाते में 15 जून 25 से 9 जनवरी 26 के बीच 9,50000 लाख रुपए जमा कराए। और फिर फोन स्विच ऑफ कर धोखाधड़ी की। पुलिस ने धारा 66 डी आईटी एक्ट और 318-4 के तहत महिला के विरुद्ध अपराध दर्ज कर साइबर सेल की मदद से पड़ताल शुरू कर दी है।

रेलवे स्टेशन पर मचा हड़कंप, सूटकेस में गौमांस लेकर पहुंचीं महिलाएं

रायपुर। पुलिस ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन से सूटकेश में गौमांस ले जा रही दो महिलाओं को पकड़ा है. दोनों महिलाएं रायपुर की ओर से बिलासपुर पहुंची थीं और अपने साथ सूटकेश में लगभग 10 किलो से अधिक गौमांस भरकर ला रही थीं. पुलिस को सूचना मिली थी, कि बिलासपुर रेलवे स्टेशन में दो महिलाएं गौमांस लेकर पहुंची है, पुलिस ने चेकिंग की, तो संदेह हुआ, जिसके बाद सूटकेश की तलाशी ली गई. तलाशी में गौमांस मिलने पर दोनों महिलाओं को तत्काल हिरासत में ले लिया गया. प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने सूटकेश में गौमांस होने की बात स्वीकार कर ली है. जानकारी मिलते ही कुछ गौसेवक भी थाने के बाहर एकत्रित हो गए, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई. तोरवा थाना पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है. पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गौमांस कहां से लाया गया था और इसका उद्देश्य क्या था. जानकारी के मुताबिक दोनों महिलाएं शहर के मगरपारा इलाके की रहने वाली है और पूछताछ के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इस गौमांश के पीछे कोई सिंडिकेट काम कर रहा है या फिर वजह कुछ और है. फिलहाल तोरवा पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी है.

चेकिंग के दौरान युवक चाकू के साथ गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना मौदहापारा क्षेत्र में रजबंधा मैदान के पास पुलिस ने औचक कार्रवाई करते हुए एक युवक को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 की शाम थाना मौदहापारा पुलिस टीम थाना प्रभारी निरीक्षक शक्ति सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में अड्डेबाजी और संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान रजबंधा मैदान के पास स्थित एक चाय ठेले के आसपास चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया और हथियार को जब्त कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम जाफर अली पिता शमशाद अली, उम्र 19 वर्ष, निवासी धरसींवां बताया है। पुलिस के अनुसार, युवक के पास से मिला चाकू अवैध था और इसके रखने के पीछे उसका कोई वैध कारण नहीं बताया जा सका। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना मौदहापारा में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल था या नहीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए इस तरह के चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेंगे। विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली डिलीवरी बॉय की जान, हेलमेट पहने रहने के बाद भी उड़े सिर के परखच्चे

रायपुर। जिले के वाड्रफनगर में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। हादसा वाड्रफनगर के अंबेडकर चौक के समीप हुआ, जहां विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे का दुखद पहलू यह भी है कि डिलीवरी बॉय ने हेलमेट लगाया हुआ था, इसके बावजूद उसके सिर के परखच्चे उड़ गए। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक युवक की पहचान विकास देवांगन के रूप में हुई है, जो चलगली क्षेत्र के बड़का गांव का निवासी था। और वाड्रफनगर में रहकर डेलीवेरी कंपनी में कार्यकर्ता था।

40 दिवसीय 'सुशासन तिहार' में गांव-गांव पहुंच रहा प्रशासन

बगिया से बस्तर' तक गूंजा सुशासन का स्वर जनता से सीधा संवाद बना विश्वास

रायपुर/ संवाददाता

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, बजट प्रस्तुत करती हैं और विकास के दावे करती हैं, लेकिन इन सबकी सार्थकता तभी सिद्ध होती है जब उनका लाभ आम नागरिक तक पहुंचे और लोग स्वयं अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस करें। छत्तीसगढ़ में इसी सोच को साकार करने के लिए 'सुशासन तिहार' जैसे अभिनव अभियान की शुरुआत की गई है। 1 मई से 10 जून तक चलने वाला यह 40 दिवसीय अभियान शासन को सीधे जनता के द्वार तक ले जाने का एक प्रभावी प्रयास है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी गांव-गांव और शहरों के वार्डों में पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुन रहे हैं और उनका समाधान कर रहे हैं। खास बात यह है कि यह पहल केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि संवाद, सहभागिता और समाधान पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की इस अभियान में सक्रिय भागीदारी इसे और अधिक प्रभावशाली

बनाती है। उनका विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जमीनी हकीकत का आकलन करना और आम जनता से सीधा संवाद करना यह दर्शाता है कि नेतृत्व केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी प्रतिबद्ध है। तेज गर्मी और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच उनकी यह सक्रियता प्रशासनिक तंत्र के लिए भी एक प्रेरणा है। 'सुशासन तिहार' का मूल उद्देश्य शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाना है। जब अधिकारी सीधे गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं, तो न केवल वास्तविक स्थिति स्पष्ट होती है, बल्कि लोगों के भीतर यह विश्वास भी मजबूत होता है कि उनकी आवाज़ सुनी जा रही है। इस प्रकार की पहल प्रशासन में संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व दोनों को सुदृढ़ करती है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे 'लोगों की सुनें, उन्हें सुनाएं नहीं' की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार ही शासन की छवि तय करता है। इसलिए आमजन के साथ संवाद करते समय शालीनता, धैर्य और सम्मान अनिवार्य होना चाहिए। जब कोई नागरिक शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह अनुभव होना चाहिए कि उसकी बात गंभीरता से सुनी जा रही है। प्रदेश में आयोजित समाधान शिविर इस अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जहां पंचायत और वार्ड स्तर पर लोगों से आवेदन लेकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे शासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता उसके दीर्घकालिक प्रभाव और निरंतरता पर निर्भर करती है। निश्चित ही राज्य सरकार 'सुशासन तिहार' से प्राप्त अनुभवों के आधार पर प्रशासनिक व्यवस्था में स्थायी सुधार करेंगे और यह संवाद की यह प्रक्रिया भी लगातार जारी रहेगी। 'सुशासन तिहार' एक अभियान नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह इस बात का संकेत है कि यदि शासन और जनता के बीच विश्वास, संवाद और संवेदनशीलता बनी रहे, तो विकास की राह न केवल सशक्त होती है, बल्कि अधिक समावेशी बनेगी।

पाइपलाइन फटने या खराबी का मामला नहीं है,टेस्टिंग से लीकेज जल्द शुरू होगा अमृत मिशन

रायपुर। शहर में अमृत मिशन योजना को अब जल्द से जल्द पूरा करने का काम हो रहा है। पिछले शासन के कार्यकाल की बिछाई गई पाइपलाइनों की वर्तमान में टेस्टिंग की जा रही है। इस प्रक्रिया के दौरान लाल चर्च के पास, स्व महेंद्र कर्मा बंगला, पुराना बस स्टैंड के पास के स्थानों पर पानी का बहाव देख नागरिकों में भ्रम की स्थिति बन रही थी। जिस पर महापौर संजय पांडे ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि नियमित पानी की आपूर्ति जारी है तथा शहरवासियों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। ? महापौर ने बताया कि पाइपलाइन बिछाते समय एयरवॉल और टी-पॉइंट के लिए कुछ स्थान खाली छोड़े जाते हैं। टेस्टिंग के दौरान इन स्थानों से पानी का बाहर आना एक सामान्य तकनीकी प्रक्रिया है। इन बिंदुओं पर एयरवॉल लगाने का कार्य प्रगति पर है और पुरानी पाइपों का सुधार जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई पाइपलाइन फटने या खराबी का मामला नहीं है। महापौर संजय पांडेय ने नरेंद्र मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया की योजना के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे जो पूर्ववर्ती सरकारों और एजेंसियों की लेटलतीफी के कारण योजना में विलंब हुआ7 वर्ष 2021-22 में (कांग्रेस शासनकाल के दौरान) नई एजेंसी को काम दिया गया, लेकिन वह भी समय पर कार्य पूरा नहीं कर सके।राज्य में भाजपा सरकार के गठन के बाद विधायक किरण सिंह देव के सहयोग से योजना को पुनर्जीवित किया गया है। वर्तमान में इंटेक वेल, ट्रीटमेंट प्लांट और सप्लाई लाइन की सफाई व टेस्टिंग का काम चल रहा है। टेस्टिंग के दौरान सामने आ रही तकनीकी त्रुटियों को तत्काल सुधारने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिए गए हैं। महापौर ने आश्वस्त किया है कि इस टेस्टिंग प्रक्रिया से शहर की नियमित पेयजल व्यवस्था पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। टेस्टिंग और गुणवत्ता परीक्षण पूर्ण होते ही प्रथम चरण में शहर के 12 से 13 वार्डों में नियमित जल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। हमारा लक्ष्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है।

बाल हितैषी पंचायत में कछिया ने प्रदेश में बनाया कीर्तिमान....

■ मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में जनभागीदारी से मिली ऐतिहासिक उपलब्धि

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब राज्य स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित पहलों के बीच जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। ग्राम पंचायत कछिया ने सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के तहत पीएआई 2.0 सर्वे के 9 थीम में से थीम-3 (बाल हितैषी पंचायत) में 95.71 अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बन गई है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्राम पंचायत कछिया के जनप्रतिनिधियों, पंचायत अमले और ग्रामीणों को बधाई देते हुए इसे राज्य के अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणादायक बताया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सबका साथ, सबका विकास की भावना और जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है। ग्राम पंचायत कछिया ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक समग्र बाल हितैषी वातावरण विकसित किया है।

मुख्यमंत्री ने ईंट जोड़कर किया श्रमदान : भैंसामुड़ा में पीएम आवास निर्माण का किया औचक अवलोकन

एक सप्ताह में टेंडर जारी करने के निर्देश

रिंग रोड सर्विस रोड का काम एक माह में होगा शुरू-सांसद बृजमोहन

रायपुर। संवाददाता

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर शहर की जटिल यातायात समस्याओं के निराकरण और विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में सरोना-टाटीबंध से जोरा तक रिंग रोड के सर्विस रोड, शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण, जोरा-कचना - पिरदा रोड, जोरा-कचना- मोवा रोड, शदाणी दरबार देवपुरी सहित 5 ग्रेट सेपरेटर, शंकर नगर में रोड चौड़ीकरण, शंकर नगर चौक से टर्निंग पॉइंट सड़क चौड़ीकरण

सहित रायपुर शहर के विभिन्न यातायात समस्याओं सहित विकास कार्यों की समीक्षा की। अग्रवाल ने टाटीबंध-सरोना से जोरा तक रिंग रोड की सर्विस लाइन के चौड़ीकरण का कार्य एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएचएआई को एक सप्ताह के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने तथा इस्श्क्र को चार चरणों में बिजली खंभों और ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग तत्काल शुरू करने को कहा। साथ ही, नगर निगम और यातायात पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सर्विस रोड पर हुए अवैध कब्जों और अनियंत्रित पार्किंग को तत्काल हटाया जाए। मीटिंग में सीएसपीडीसीएल अधिकारियों को भी निर्देश दिया गया कि जोरा से लेकर भाठागांव चौक तक विद्युत खंभे व ट्रांसफार्मर को तत्काल हटाना प्रारंभ करें एवं भाठागांव से सरोना तक पूर्व में बनाए गए एस्टीमेट को संशोधित कर तत्काल विभाग में एस्टीमेट प्रस्तुत करें।

सीजी पीएससी मुख्य परीक्षा की तिथियों में संशोधन युवाओं के हित में लिया गया स्वागतयोग्य निर्णय : टिकरिहा

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा की तिथियों में किए गए बदलाव का स्वागत किया है। श्री टिकरिहा ने परीक्षा की पूर्व घोषित तिथियों (16, 17, 18 व 19 मई) को संशोधित कर नई तिथियां (6, 7, 8 व 9 जून) घोषित करने के निर्णय को परीक्षार्थियों के हित में बताया है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री टिकरिहा ने कहा कि प्रदेश के हजारों अभ्यर्थी लम्बे समय से तैयारी के लिए अतिरिक्त समय की मांग कर रहे थे। भीषण गर्मी और चुनावी व्यस्तताओं के बीच मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह निर्णय एक बड़ी राहत लेकर आया है। श्री टिकरिहा ने कहा कि परीक्षा तिथियों के आगे बढ़ने से अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के विस्तृत पाठ्यक्रम को दोहराने के लिए बहुमूल्य 20 दिनों का अतिरिक्त समय प्राप्त होगा। यह निर्णय दर्शाता है कि वर्तमान प्रशासन युवाओं की जायज मांगों को सुनने और उन पर सकारात्मक कदम उठाने में विश्वास रखता है। श्री टिकरिहा ने विश्वास जताया कि संशोधित तिथियों से परीक्षार्थी मानसिक रूप से अधिक सुदृढ़ होकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।

हर्षदीप हॉर्टिको ने एच2 एफवाय 26 के मज़बूत परिणाम पेश किए

नईदिल्ली। गमलों, प्लांटर्स, गार्डन एक्सेसरीज और आउटडोर फर्नीचर के मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्टर में विशेषज्ञता रखने वाली हर्षदीप हॉर्टिको लिमिटेड (बीएसई: हर्षदीप) ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

वित्त वर्ष 2026की दूसरी छमाही के प्रमुख वित्तीय पहलू- वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में रेवन्यू 36.07 करोड़ रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में यह 31.45 करोड़ था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए प्रॉफिट बिफ़ोर टैक्स (पीबीटी) 6.82 करोड़ रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में 5.48 करोड़ से बढ़कर 25 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) 6.82 करोड़ रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में यह 5.47 करोड़ था, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 24.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

परिणामों पर डायरेक्टर हितेश शाह ने कहा कि, हर्षदीप हॉर्टिको लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में मजबूत प्रदर्शन किया, जो हॉर्टिकल्चर और आउटडोर लाइफस्टाइल सेक्टर में कंपनी की दृढ़ता, ऑपरेशनल एक्सीलेंस और स्ट्रेटेजिक फोकस को दर्शाता है। कंपनी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसने प्रति शेयर 0.25 रुपये का डिविडेंड घोषित किया है।

उपमुख्यमंत्री ने नालंदा परिसर सहित 8 करोड़ से अधिक के कार्यों का किया भूमिपूजन

शहर को बनाएं स्वच्छ,सुंदर और सुविधापूर्ण-अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज गरियाबंद नगर पालिका में 44 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर नगरवासियों को 8 करोड़ 15 लाख 98 हजार रुपए की सौगात दी। इनमें चार करोड़ 41 लाख रुपए की लागत का नालंदा परिसर, 2 करोड़ 91 लाख रुपए लागत के सीसी सड़कों, नालियों एवं शेड निर्माण के 30 कार्य, 83 लाख रुपए की लागत के 13 सड़कों एवं नाली निर्माण के कार्य शामिल हैं। इन निर्माण कार्यों से नगर की बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और नागरिकों को बेहतर सड़क व जल निकासी व्यवस्था का लाभ मिलेगा। विधायक श्री रोहित साहू और राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष श्री चंदूलाल साहू भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं सार्वजनिक संस्थाओं के लिए करीब 2 करोड़ रुपए की अतिरिक्त स्वीकृति भी दी। उन्होंने दो अलग-अलग पत्रकार भवनों के लिए 5-5 लाख रुपए, प्रजापति ब्रह्मकुमारी आश्रम भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपए, साहू समाज के लिए 25 लाख रुपए तथा नगर पालिका के लिए डेढ़ करोड़ रुपए की स्वीकृति की घोषणा की। उन्होंने प्रस्ताव लेकर आने पर तुरंत स्वीकृति की भी बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि गरियाबंद में 4 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाला नालंदा परिसर और कुल 8 करोड़ 15 लाख रुपए के विकास कार्य नगर के विकास की दिशा तय करेंगे। गरियाबंद के बच्चों को आधुनिक पढ़ाई के लिए सेंट्रल लाइब्रेरी की

सुविधा मिलेगी। वहीं सीसी सड़कों, नालियों और अन्य अधोसंरचना कार्यों से शहर को नई पहचान मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में गरियाबंद नगर के लिए 22 करोड़ 79 लाख रुपए के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। यह स्वीकृतियां बताती हैं कि सरकार शहर को किस तरह विकास की दिशा में आगे बढ़ा रही है। कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है, ताकि शहर स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधाजनक बन सके। उन्होंने नागरिकों से शहर को स्वच्छ रखने को अपील करते हुए कहा कि नाली और सड़कों में कचरा नहीं फेंकें। बाहर से आने वाले लोग सबसे पहले शहर की व्यवस्था और स्वच्छता देखते हैं, इसलिए गरियाबंद को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। शहर में बुजुर्गों के लिए गार्डन, बच्चों के लिए खेल मैदान और नागरिकों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। विधायक श्री रोहित साहू ने कार्यक्रम में कहा कि हमारी सरकार ने गरियाबंद को ग्राम पंचायत से नगर पालिका और फिर जिला बनने तक विकास की नई पहचान दी है। प्रदेश में हमारी सरकार बनने पर चहुंमुखी विकास होता है और आज 8 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन इसका प्रमाण है।

संपादकीय

महाशक्ति की सुरक्षा में सेंध

अमेरिका जैसे देश में राष्ट्र प्रमुख की सुरक्षा का घेरा दुनिया में सबसे मजबूत माना जाता है, लेकिन यहां भी अगर सुरक्षा में चूक हो जाए, तो इसे क्या कहा जाएगा? अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मीडिया कर्मियों के लिए आयोजित रात्रिभोज में गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर में सबके कान खड़े कर दिए हैं। यह वारदात ऐसे मौके पर हुई, जब यहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी एवं प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। हालांकि बाद में सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन सवाल है कि विश्व की महाशक्ति होने का दंभ भरने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति की सुरक्षा में अपने ही देश के भीतर इस तरह की चूक कैसे हो सकती है?कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हमलावर आयोजन स्थल में सेंध लगाने में कैसे कामयाब हो गया! गोलीबारी की वजह से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और ट्रंप को उनकी पत्नी के साथ तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा। यह घटना सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि उन तमाम देशों के लिए भी सबक है, जो मानते हैं कि उनके शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा अभेद्य है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावर ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था, लेकिन यहां राष्ट्रपति की मौजूदगी से मामले की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप पर पहले भी दो बार हमले हो चुके हैं, हालांकि यह बात अलग है कि उस दौरान वे अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। मार्च 2016 में लास वेगास में राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान रैली में एक व्यक्ति ने मंच के पास पहुंचकर ट्रंप की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी का हथियार छीनने की कोशिश की थी।हिरासत में पूछताछ में उसने स्वीकार किया था कि वह ट्रंप को नुकसान पहुंचाना चाहता था। इसके बाद जुलाई 2024 में चुनावी रैली में ट्रंप पर उस समय खतरनाक हमला हुआ था, जब वह मंच से भाषण दे रहे थे। मगर गनीमत रही कि हमलावर की ओर से चलाई गई गोली उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को छूकर निकल गई। यह बात समझ में आती है कि इन दो घटनाओं के दौरान ट्रंप राष्ट्रपति नहीं थे, इसलिए उनकी सुरक्षा का दायरा उतना बड़ा नहीं था, लेकिन उनके राष्ट्रपति होते हुए अगर सुरक्षा में किसी तरह की चूक होती है, तो व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है।इस घटना की शुरुआती जांच में एक बात यह भी निकलकर सामने आई है कि हमलावर सोशल मीडिया पर ट्रंप विरोधी टिप्पणियां करता रहा है और वह उस होटल में कुछ दिन पहले ठहरा था, जहां यह समारोह आयोजित किया गया था। यानी उसने आयोजन स्थल को पहले ही अच्छी तरह जांच परख लिया था और उसके बाद सुनियोजित तरीके से कार्यक्रम में घुसने की साजिश रची। यही नहीं खबरों के मुताबिक, हमलावर के परिवार ने उसकी मंशा को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को पहले सतर्क भी किया था, लेकिन स्पष्ट है कि इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया गया।इस घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर यह कार्यक्रम व्हाइट हाउस में निर्माणाधीन सैन्य रूप से अत्यंत गोपनीय 'बालरूम' में हुआ होता, तो इस तरह की वारदात नहीं होती। अदालत ने इस निर्माण पर फिलहाल रोक लगा रखी है। मगर सवाल सिर्फ किसी एक सुरक्षित स्थान का नहीं है।

उत्तर प्रदेश का एक पुराना घाव है पश्चिम और पूर्व के बीच की खाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा जैसे शहरों से परिभाषित होता है, में उद्योग हैं, बाज़ार हैं, रोजगार है, और एक खास किस्म की आधुनिकता भी है। लेकिन, जैसे-जैसे आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, बलियाज्एक अलग उत्तर प्रदेश मिलता है। वहां खेत हैं, मंदिर हैं, नदियां हैं, और असीम मानवीय संभावनाएं भी हैं, लेकिन उन संभावनाओं में अवसरों का घोर अभाव दिखता था। गंगा एक्सप्रेसवे इस विभाजन को पाटने की सबसे बड़ी भौतिक कोशिश है।

गंगा एक्सप्रेसवे- आर्थिक पुनर्जागरण की जीवंत रेखा

(संजय सिन्हा)

किसान की सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं है कि वह मेहनत नहीं करता, बल्कि यह है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे नहीं मिलता। फसल खेत में पकती है, लेकिन मंडी तक पहुंचते-पहुंचते उसकी ताजगी और उसकी कीमत दोनों गिर जाती हैं।गंगा की धारा जब किसी पत्थर से टकराती है, तो वह उसे काटती नहीं, बल्कि उसे घिसते-घिसते अपने रास्ते की शक्ल में ढाल लेती है। उत्तर प्रदेश की नियति भी कुछ ऐसी ही रही है । इस भूमि ने सभ्यताएं जन्मी हैं, क्रांतियां बोई हैं, फिर भी एक दशक पहले तक एक विडंबना इसके माथे पर चिपकी रही कि यह राज्य, जो देश की आबादी का छठा हिस्सा समेटे है, विकास की दौड़ में अक्सर पिछली पंक्ति में ही खड़ा दिखाई पड़ा। इतिहास की यह विरोधाभासी विरासत अब एक नए अध्याय की दहलीज पर खड़ी है और उस दहलीज का नाम है गंगा एक्सप्रेसवे, जो यूपी सरकार के संकल्प के एक बड़े प्रतिमान के रूप में अब साकार रूप में है।

594 किलोमीटर.मेरठ से प्रयागराज यह केवल एक सड़क की लंबाई नहीं है, बल्कि उस सोच की लंबाई है, जो मानती है कि किसी राज्य को बदलने के लिए पहले उसकी नसों में नई रक्त-संचार व्यवस्था बनानी पड़ती है। जब कोई जमीन पर इतनी बड़ी रेखा खींची जाती है, तो वह केवल भूगोल नहीं बदलती, वह उस भूगोल में जीने वाले लोगों की संभावनाओं का नक्शा बदल देती है। गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए ऐसा ही एक परिवर्तनकारी हस्तक्षेप है, जिसे समझने के लिए केवल इंजीनियरिंग की नहीं, बल्कि अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और दूरदर्शिता की भाषा जाननी होगी।

उत्तर प्रदेश का एक पुराना घाव है पश्चिम और पूर्व के बीच की खाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा जैसे शहरों से परिभाषित होता है, में उद्योग हैं, बाज़ार हैं, रोजगार है, और एक खास किस्म की आधुनिकता भी है। लेकिन, जैसे-जैसे आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, बलियाज्एक अलग उत्तर प्रदेश मिलता है। वहां खेत हैं, मंदिर हैं, नदियां हैं, और असीम मानवीय संभावनाएं भी हैं, लेकिन उन संभावनाओं में अवसरों का घोर अभाव दिखता था। गंगा एक्सप्रेसवे इस विभाजन को पाटने की सबसे बड़ी भौतिक कोशिश है।

जब मेरठ और प्रयागराज एक तेज, सुगम, भरोसेमंद सड़क से जुड़ जाते हैं, तो वास्तव में यह दो शहरों का नहीं, दो आर्थिक ध्रुवों का मिलन होता है। पूर्वांचल की श्रम शक्ति और कृषि उत्पाद पश्चिम के बाजारों तक पहुंचने लगते हैं। पश्चिम की पूंजी और उद्यमशीलता पूर्व की सस्ती जमीन और उपलब्ध श्रम को देखकर खिंचती है। यह वह आर्थिक गुरुत्वाकर्षण है जो तब उत्पन्न होता है जब दूरी सिकुड़ती है, न केवल किलोमीटर में, बल्कि समय और लागत में भी।

लॉजिस्टिक्स को दुनिया में एक पुराना सच है, माल की ढुलाई की लागत जहां कम होती है, वहां उद्योग खिंचे चले आते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत विकसित देशों की तुलना में लगभग दोगुनी है। यह अतिरिक्त लागत उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करती है, उत्पादों को महंगा बनाती है और निर्यात को बाधित करती है। जब गंगा एक्सप्रेसवे जैसे हाई-स्पीड कॉरिडोर बनते हैं, तो यह समीकरण बदलता है। माल तेज पहुंचता है, भंडारण की जरूरत घटती है, ट्रांसपोर्ट

का समय कम होता है और पूरी सप्लाई चेन अधिक विश्वसनीय बन जाती है।

उत्तर प्रदेश को एक नई 'ग्रोथ स्पाइन' मिल सकती है

गंगा एक्सप्रेसवे से होकर गुजरने वाला एक ट्रक केवल माल नहीं ढोएगा, वह उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को एक पायदान ऊपर ले जाएगा। लेकिन, असली रूपांतरण तब होगा जब एक्सप्रेसवे के किनारे एक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र उगेगा। सरकार की योजना औद्योगिक नोड्स, वेयरहाउसिंग हब और एमएसएमई क्लस्टर विकसित करने की है। यह योजना अगर सही नीयत और सही क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरी, तो उत्तर प्रदेश को एक नई 'ग्रोथ स्पाइन' मिल सकती है। वह रीढ़, जिसके सहारे एक पूरा आर्थिक शरीर खड़ा होता है। टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए / विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हरदोई, शाहजहांपुर, बदायें, संभल रायबरेली, उन्नाव, ये वे शहर हैं जो अब तक विकास की मुख्यधारा से किनारे पड़े थे। एक्सप्रेसवे की पहुंच उन्हें एक बड़े आर्थिक नेटवर्क से जोड़ेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे खेत से बाजार की यात्रा को तेज करेगा

किसानों की बात किए बिना यह विश्लेषण अधूरा है। किसान की सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं है कि वह मेहनत नहीं करता, बल्कि यह है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे नहीं मिलता। फसल खेत में पकती है, लेकिन मंडी तक पहुंचते-पहुंचते उसकी ताजगी और उसकी कीमत दोनों गिर जाती हैं। कोल्ड चेन की कमी, खराब सड़कें और बाजार तक पहुंच की धीमी रफ्तार, ये तीन चीजें मिलकर किसान की उपज का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर देती हैं। गंगा एक्सप्रेसवे खेत से बाजार की यात्रा को तेज करेगा। यदि इसके साथ-साथ एक्सप्रेसवे के किनारे कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और एग्री-लॉजिस्टिक्स हब विकसित हों, तो किसान की तकदीर बदलने में देर नहीं लगेगी। यह विकास का वह बिंदु है जहां बुनियादी ढांचा सीधे मानवीय जीवन की गुणवत्ता से जुड़ता है।

एक्सप्रेसवे का एक और आयाम है जिसे अक्सर सार्वजनिक विमर्श में नजरअंदाज किया जाता है – रियल एस्टेट का रूपांतरण। जब भी किसी इलाके में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी आती है, जमीन की कीमतें बदलती हैं। नए आवासीय क्षेत्र उभरते हैं, लोग शहर के महंगे इलाकों को छोड़कर एक्सप्रेसवे के किनारे बसने लगते हैं। हालांकि इस प्रक्रिया में जमीन की सट्टेबाजी और असमान लाभ वितरण के खतरे भी हैं, जिनसे बचने के लिए सरकार को सक्रिय नीतिगत हस्तक्षेप करना होगा। रणनीतिक दृष्टि से भी यह एक्सप्रेसवे महत्वपूर्ण है। इसकी संरचना ऐसी बनाई गई है कि आपात स्थिति में इसे वायुसेना की एयरस्ट्रिप के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। यह विशेषता इसे केवल एक आर्थिक परियोजना नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा परिसंपत्ति भी बनाती है।

गंगा एक्सप्रेसवे इस नई छवि का सबसे दृश्यमान प्रतीक

निवेशकों का मनोविज्ञान भी इस संदर्भ में विचारणीय है। जब कोई राज्य इस पैमाने की परियोजना को समय पर, पारदर्शिता के साथ और कार्यकुशलता के साथ पूरा करता है, तो वह केवल एक सड़क नहीं बनाता, वह एक संदेश देता है कि यह राज्य अब गंभीर है। यहां शासन काम कर रहा है। यहां आपकी पूंजी सुरक्षित है और आपकी परियोजनाएं अटकेंगी नहीं। यह अमूर्त भरोसा बहुत ठोस परिणाम देता है। उत्तर प्रदेश, जो कभी बीमारू राज्यों की श्रेणी में गिना जाता था, अब खुद को एक आधुनिक, निवेश-अनुकूल और महत्वाकांक्षी राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे इस नई छवि का सबसे दृश्यमान प्रतीक है।

लेकिन यहां एक चेतावनी भी जरूरी है। बुनियादी ढांचा अपने आप में परिवर्तन नहीं लाता, वह केवल परिवर्तन की शर्तें बनाता है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहां शानदार सड़कें बनीं, पुल उठे, बंदरगाह बने लेकिन उनके आस-पास का जीवन नहीं बदला, क्योंकि नीतिगत वातावरण उनके साथ नहीं बदला।

परिवर्तन तब होगा जब सड़क के साथ-साथ शासन के संकल्प धरातल पर दिखाई देंगे।। जब किसान को उचित मुआवजा मिलेगा, युवा को कौशल प्रशिक्षण मिलेगा, उद्यमी को त्वरित अनुमति मिलेगी और पर्यावरण का ध्यान रखा जाएगा। इन चुनौतियों के बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि गंगा एक्सप्रेसवे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सोच की अभिव्यक्ति है जो मानते हैं कि उत्तर प्रदेश अब केवल 'सबसे बड़े राज्य' के अभिमान से नहीं, बल्कि 'सबसे तेज विकसित होते राज्य' की वास्तविकता से पहचाना जाएगा।

जब कोई सड़क बनती है, तो उस पर भविष्य की पदचापें भी अंकित होने लगती हैं। गंगा एक्सप्रेसवे पर जो पहला ट्रक दौड़ेगा, जो पहली बस मेरठ से प्रयागराज जाएगी, जो पहला किसान अपनी सब्जी लेकर इस सड़क से गुजरेगा, वे सब इस परिवर्तन के पहले साक्षी होंगे। उनके लिए यह सड़क केवल सड़क नहीं होगी। यह एक वादे का पूरा होना होगा, उस वादे का, जो इस योगी सरकार से इस राज्य के करोड़ों लोगों ने मांगा था। (प्रो. संजय सिन्हा पलवल स्थित श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के स्किल फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ एंड रिसर्च के डीन हैं। इस लेख में लेखक के निजी विचार हैं। जनसत्ता का इनसे सहमत होना जरूरी नहीं है।)

नोएडा की हड़ताल- आर्थिक विषमता के बढ़ते संकट और मजदूरों की गहराती बेचैनी का संकेत

(पीएस बोहरा)

एक कमरे के मकान में रहने वाले मजदूरों का मासिक किराया तीन से चार हजार रुपया होता है, जो उनके वेतन का करीब 40 फीसद होता है। बाकी बचा हुआ हिस्सा खाने-पीने के राशन, बच्चों की शिक्षा पर खर्च हो जाए और अगर बुजुर्ग माता-पिता आश्रित हों या छोटे भाई-बहन भी, तो उनका गुजर-बसर कैसे होगा?

हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक प्रमुख हिस्से उत्तर प्रदेश के नोएडा में मजदूरों की हड़ताल चर्चा में रही और इसका मुख्य कारण उनकी न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की मांग थी। कुछ दिनों तक चली ये हड़ताल आखिर में हिंसक हो गई और इसके चलते गरीब मजदूरों के पक्ष में समाज का संवेदनात्मक रुख मुड़कर 'निंदनीय' हो गया। यह सही है या गलत, इसका विश्लेषण व्यक्ति को खुद ही करना होगा, पर अब यह समझना आवश्यक है कि आज भारतीय समाज क्या उस मोड़ पर आकर नहीं खड़ा हो गया है, जहां आर्थिक विषमता एक बहुत बड़ा संकट बन चुकी है?

वास्तव में भारत एक गरीब मुल्क है, चाहे वह चार ट्रिलियन की बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया हो और इन दिनों डालर के सामने रुपए की गिरावट के चलते छठे स्थान पर आ गया हो। क्या इस तरक्की के साथ भारत के गरीब व्यक्ति का, उसके आर्थिक जीवन स्तर का, जो दशकों से संघर्षों से भरा हुआ है, कोई तालमेल दिखता है? यह बेवजह नहीं है कि एक लंबे अरसे से मजदूरों के मन में अपनी न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाने और एक सम्मानजनक जीवन जीने की प्रबल इच्छा उनकी मांग बन गई और वे सड़कों पर हड़ताल करने के लिए उतर गए। मजदूरों की मुख्य मांगों में न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, समय पर वेतन, आपातकालीन चिकित्सा सुविधा, साप्ताहिक अवकाश, महिला श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार, आठ घंटे से ज्यादा काम करने पर दोगुना ओवरटाइम वेतन और वक्त पर वार्षिक बोनस शामिल था। इन मांगों का अपना औचित्य है, लेकिन सच्चाई का एक पक्ष यह भी है कि मजदूर हड़ताल करने के लिए इसीलिए उतारू हुए कि वे बढ़ती आर्थिक असमानता, जिसके अंतर्गत कंपनियों के मुनाफों में वृद्धि और मालिकों की अमीरी के लगातार बढ़ते स्तर को भी देख रहे थे। इन सबके बीच एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए मजदूर भी अपने वेतन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। यह छिपा नहीं है कि एक मजदूर का औसत वेतन दस से बारह हजार है, जिसमें कई बार उसे तकरीबन बारह घंटे श्रम करना पड़ता है। वहीं महंगाई पर नियंत्रण सरकार का नहीं है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण गैस सिलेंडर के बढ़ते मूल्य हैं, जो अब मजदूरों की पहुंच से बाहर जा रहा है। एक कमरे के मकान में रहने वाले मजदूरों का मासिक किराया तीन से चार हजार रुपया होता है, जो उनके वेतन का करीब 40 फीसद होता है। बाकी बचा हुआ हिस्सा खाने-पीने के राशन, बच्चों की शिक्षा पर खर्च हो जाए और अगर बुजुर्ग माता-पिता आश्रित हों या छोटे भाई-बहन भी, तो उनका गुजर-बसर कैसे होगा? स्थिति और भी गंभीर है कि जब भी मजदूर अपने हक की मांग करता है, तो उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कई रपटों के आंकड़े ये भी सामने आए कि आंदोलन के बाद कई कर्मचारियों को काम मिलना बंद हो गया।

सरकारी संस्थान, सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीआइएमई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह वर्षों में मजदूरों को उत्पादन (विक्रय और भंडार में बदलाव) का 5.16 फीसद का हिस्सा घटकर अब 4.97 फीसद रह गया है। वर्ष 1991 में यह हिस्सा सात फीसद से अधिक हुआ करता था। आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अंतर्गत यह भी बताया गया कि पिछले पंद्रह वर्षों में कंपनियों का कर चुकाने के बाद का लाभ 149 फीसद बढ़ा है, जबकि कर्मचारियों का वेतन मात्र 52 फीसद।

भारत के कई बड़े शहरों में कारखानों में काम करने वाले कर्मचारी को अब ठेकेदारों के माध्यम से ही रखा जाता है। वर्ष 2000 तक ऐसे कर्मचारियों की तादाद 16 फीसद हुआ करती थी, जो अब 42 फीसद हो गई है। और इन सबकी वजह से कर्मचारी फैक्टरी के मालिकों से प्रत्यक्ष बात नहीं कर पाते, क्योंकि उनके बीच कोई अनुबंध नहीं होता है और ठेकेदार कभी भी कर्मचारी का साथ नहीं देता। एक रपट में ये तथ्य दर्ज हैं कि निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत उम्र बढ़ने पर वेतन कम होने लगता है। 15 से 25 वर्ष तक की आयु के बीच निर्माण क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तुलना में मजदूरों का वेतन अधिक है, पर 25 वर्ष से लेकर 50 वर्ष की आयु के बीच में अन्य क्षेत्रों की तुलना निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत मजदूरों के वेतन में 15 फीसद से लेकर 25 फीसद तक कमी देखी जाती है। अब इस पक्ष पर यह क्यों नहीं समझा जा रहा कि व्यक्ति पर इस आयु के दौरान पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ता है, तो वह निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत कम वेतन पर अपनी जिम्मेदारियां कैसे उठा पाएगा!

नारी सम्मान पर मोहन यादव आगे, विपक्ष फिर पीछे क्यों?

इतिहास रचने का अवसर था, पर राजनीतिक मतभेद फिर आड़े आए

कृष्णमोहन झा

मध्यप्रदेश विधानसभा का 27 अप्रैल का विशेष सत्र केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं था, बल्कि यह उस विचार का उद्घोष था जिसमें नारी शक्ति को विकास की धुरी मानने का स्पष्ट संकल्प दिखाई देता है। महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का शासकीय संकल्प ध्वनिमत से पारित होना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इस सकारात्मक पहल के बीच एक कड़वी सच्चाई भी सामने आई–इतने महत्वपूर्ण अवसर पर भी विपक्ष का साथ न देना।

यह सवाल अब केवल राजनीतिक नहीं रह गया है, बल्कि यह नैतिकता और प्राथमिकताओं का प्रश्न बन गया है। जब बात देश और समाज की आधी आबादी के अधिकारों की हो, तब क्या राजनीति इतनी हावी हो जानी चाहिए कि सहमति की हर संभावना ही समाप्त हो जाए?

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संबोधन में जिस स्पष्टता से विपक्ष की भूमिका पर प्रश्न उठाए, वह केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि उस निराशा का प्रतिबिंब थी जो ऐसे अवसरों पर उत्पन्न होती है। उन्होंने यह कहा कि महिलाओं की आकांक्षाओं के साथ अन्याय हुआ है, और यह बात केवल भाषण तक सीमित नहीं है–यह उस व्यापक भावना को दर्शाती है जिसे समाज भी महसूस कर रहा है।

वास्तविकता यह है कि महिला आरक्षण का विषय कोई नया मुद्दा नहीं है। यह वर्षों से चर्चा का विषय रहा है, और हर बार यह अपेक्षा की गई कि जब अवसर आएगा, तो सभी दल एकजुट होकर इसे साकार करेंगे। लेकिन इतिहास गवाह है कि यह मुद्दा बार-बार राजनीतिक गणित का शिकार हुआ है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब एक राज्य विधानसभा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर स्पष्ट संदेश देना चाहती है, तब विपक्ष इस अवसर को राजनीतिक चश्मे से देखता है। यह केवल असहमति का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह उस दृष्टिकोण का संकेत है जिसमें सामाजिक मुद्दों को भी राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाता है।

जब अधिकारों पर राजनीति हावी हो जाती है, तब समाज का संतुलन बिगड़ता है।

यह भी विचारणीय है कि यदि इस विषय पर सर्वसम्मति बनती, तो यह केवल एक प्रस्ताव पारित होने की घटना नहीं होती, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण बनती। लेकिन ऐसा न हो पाना यह संकेत देता है कि अभी भी हमारी राजनीति उस स्तर तक नहीं पहुँच पाई है, जहाँ सामाजिक न्याय के मुद्दों पर दलगत सीमाएँ समाप्त हो जाएँ।

हालाँकि, इस पूरे परिदृश्य में मध्यप्रदेश की पहल एक सकारात्मक दिशा दिखाती है। राज्य सरकार ने न केवल नीतिगत स्तर पर बल्कि व्यवहारिक स्तर पर भी महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण, सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण, प्रशासनिक पदों पर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी–ये सभी कदम यह दर्शाते हैं कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो परिवर्तन संभव है।

प्रदेश में चल रही लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना जैसी योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनी हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाएँ आत्मनिर्भर बनी हैं। औद्योगिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास, विशेषकर धार जिले में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क की स्थापना, यह दर्शाती है कि महिला सशक्तिकरण को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

यहाँ एक बड़ा प्रश्न यह भी उठता है कि जब राज्य स्तर पर इस प्रकार की सकारात्मक पहलें हो रही हैं, तब राष्ट्रीय स्तर पर सहमति क्यों नहीं बन पा रही है? क्या यह केवल राजनीतिक मतभेदों का परिणाम है, या फिर इसके पीछे कोई गहरी रणनीति छिपी है?

विपक्ष को यह समझना होगा कि महिला सशक्तिकरण का मुद्दा केवल सरकार का एजेंडा नहीं है, बल्कि यह समाज की आवश्यकता है। यदि इस विषय पर भी राजनीतिक विरोध जारी रहेगा, तो इसका सीधा असर समाज पर पड़ेगा और महिलाओं के बीच यह संदेश जाएगा कि उनके अधिकार अभी भी राजनीति के अधीन यह कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश ने एक सकारात्मक पहल की है, लेकिन इस पहल को पूर्ण सफलता तभी मिलेगी जब इसे व्यापक राजनीतिक समर्थन प्राप्त होगा। विपक्ष को भी इस विषय पर अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जिन्हें राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। यदि हम वास्तव में एक सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो यह आवश्यक है कि महिला सशक्तिकरण को केवल नीतियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे एक राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

क्योंकि अंततः—
नारी का सम्मान ही राष्ट्र का स्वाभिमान है।
(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

रामकृष्ण मिशन के स्थापना दिवस पर भव्य रथ रैली एवं धर्मसभा का आयोजन

नारायणपुर। रामकृष्ण मिशन के 129वें स्थापना दिवस का आयोजन 1 मई को रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर में बड़े ही हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे श्रीरामकृष्ण देव की भव्य एवं रंगारंग रथ रैली के साथ हुआ। रैली में लगभग 800 छात्र-छात्राएं, 200 कर्मचारी एवं 100 भक्तगण सम्मिलित हुए। सांयकाल आयोजित धर्मसभा के मुख्य अतिथि स्वामी लोकेशानन्द (बेलुड़ मठ) थे अध्यक्षता स्वामी पूर्णानंद (बेलुड़ मठ) ने की। विशिष्ट अतिथियों में स्वामी कृष्णामृतानन्द, सचिव रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्वालियर तथा डॉ. ओमप्रकाश वर्मा, संस्थापक विवेकानंद विद्यापीठ, रायपुर उपस्थित थे। आश्रम के सचिव स्वामी व्याप्तानन्द ने स्वागत भाषण देते हुए गत वर्ष की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. ओमप्रकाश वर्मा ने स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं संदेश पर प्रकाश डाला। स्वामी कृष्णामृतानन्द ने माँ सारदा देवी के जीवन एवं वाणी पर अपने विचार रखे, जबकि पूज्य स्वामी लोकेशानन्द ने श्रीरामकृष्ण देव के जीवन पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिवर्ष की भाँति आश्रम के कर्मचारियों एवं कृषक बंधुओं को सम्मानित किया गया। 35 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के लिए शिक्षक घनश्याम दास साहू को 'नरेंद्र सेवक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। आश्रम के अस्पताल में 20 वर्षों से सेवाएं दे रही भोई को निवेदिता पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं कंदाड़ी गांव के चेंदरू राम मंडावी को उत्कृष्ट कृषि कार्यों हेतु कृषक सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लगभग 800 छात्र-छात्राओं सहित 300 से अधिक कर्मचारी एवं भक्तगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आध्यात्मिक वातावरण एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ हुआ।

सुकमा के सबसे कठिन इलाकों में से एक पुसगुड़ा, जहां दशकों बाद टूटा अंधेरा

घने जंगलों, पहाड़ों और दुर्गम रास्तों के बीच गांव में पहली बार पहुँची बिजली

कोंटा। जिले के कोंटा विकासखंड अंतर्गत घने जंगलों, पहाड़ों और दुर्गम रास्तों के बीच बसे पुसगुड़ा गांव में आखिरकार वर्षों बाद बिजली पहुंच गई है। यह वही घोर नक्सल प्रभावित रहा गांव है, जो अब तक नक्शे पर तो मौजूद था, लेकिन विकास की रोशनी से कोसों दूर था। पहली बार जब गांव के घरों में बल्ब जले तो यह सिर्फ बिजली का कनेक्शन नहीं था, बल्कि ग्रामीणों के जीवन में बदलाव की शुरुआत थी। गांव के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर चेहरे पर खुशी और उम्मीद साफ दिखाई दी। पुसगुड़ा गांव जिला मुख्यालय सुकमा से लगभग 108 किलोमीटर दूर स्थित है, लेकिन यहां पहुंचना किसी सामान्य सफर जैसा नहीं। कच्चे रास्ते, पहाड़ी चढ़ाई, घने जंगल और बरसात में दलदल बन जाने वाली पगडंडियां इस गांव को वर्षों तक मुख्यधारा से काटे रहीं। ऐसे क्षेत्र में बिजली पहुंचाना तकनीकी कार्य से ज्यादा साहस और संकल्प का काम था। प्रशासन ने इस चुनौती को प्राथमिकता में रखते हुए इसे मिशन मोड में पूरा कराया। कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि पुसगुड़ा तक बिजली पहुंचाना सिर्फ एक तकनीकी कार्य नहीं था, बल्कि यह प्रशासन की प्रतिबद्धता और जनहित के संकल्प की परीक्षा थी। घने जंगल, दुर्गम पहाड़ और कठिन रास्तों के बावजूद टीम ने मिशन मोड में कार्य कर यह सुनिश्चित किया कि विकास की रोशनी गांव के अंतिम घर तक पहुंचे।

आज पुसगुड़ा में पहली बार बल्ब जलना केवल उजाला नहीं है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य, परिवारों की सुविधा और गांव के आत्मविश्वास का नया सूरज है। शासन की प्राथमिकता है कि जिले के हर दूरस्थ और कठिन क्षेत्र तक बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जाएं, ताकि कोई भी गांव विकास की मुख्यधारा से पीछे न रहे। पुसगुड़ा निवासी सुक्रम लक्ष्मी ने खुशी जताते हुए कहा कि हमारे गांव में बिजली का आना किसी चमत्कार से कम नहीं है। अब गांव में टीवी, पंखा, मोबाइल चार्जिंग और रात में पढ़ाई जैसी सुविधाएं संभव हो सकेंगी। वर्षों से लालटेन और सीमित साधनों पर निर्भर जीवन अब धीरे-धीरे आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ेगा। पुसगुड़ा में बिजली पहुंचना प्रशासन की उस सोच का प्रतीक है, जिसमें अंतिम छोर पर बसे परिवारों तक भी विकास को समान अधिकार के साथ पहुंचाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड सुकमा संभाग द्वारा इस कार्य को ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में पूरा किया गया। कार्यपालन अभियंता हिलोन ध्रुव ने बताया कि कई जगहों पर मशीनें नहीं पहुंच सकीं, ऐसे में खंभे, तार और सामग्री मानव श्रम और स्थानीय सहयोग से जंगलों-पहाड़ियों के बीच पहुंचाई गई।

सेवानिवृत्त किरण कुमार चौहान को भगत सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में अश्रुपूरित भावभीनी विदाई दी गई

जगदलपुर। हायर सेकेंडरी स्कूल भगत सिंह में सेवानिवृत्त व्याख्याता किरण कुमार चौहान को शाला से भावभीनी विदाई दी गई, सर्वप्रथम किरण कुमार चौहान एवं उनके परिवार के सदस्यों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया, उन्हें प्रचार्य द्वारा शाल श्रीफल एवं चांदी की मूर्ति आरती दीपक दे कर सम्मान किया गया एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया जिसका वाचन व्याख्याता चंद्र प्रकाश देवांगन ने किया, अन्य स्टॉफ के व्याख्याता कर्मचारी द्वारा उन्हें शाल कोसा सदरी, एवं अन्य उपहार सम्मान प्रदान किये गये, उनका सम्मान छत्र छात्राओं एवम् भूतपूर्व छत्र छात्राओं द्वारा किया गया एवं उनकी विदाई के अवसर पर शानदार भोज का आयोजन बिनाका हेरिटेज में किया गया, विदाई केक काटकर उन्हें सम्मान गुलाल लगा कर माला पहना कर, उनके किए गए कार्यों को शालेय परिवार द्वारा याद किया गया, सबका एक ही मत था कि चौहान सरल सहज ईमानदार एवम् मिलनसार थे, प्राचार्या विनीता बेंजामिन द्वारा उनके शालेय कार्यों एवं किए गए सालेय क्रियाकलापों की भूरी भूरी प्रशंसा किया गया एवं उन्हें अपने बड़े भाई के समान बताया गया एवं उनके अगले पारी हेतु शुभकामनाएं दी गई।

क्षेत्र में 72 घंटे से बिजली गुल, मई महीने की भीषण गर्मी में जनजीवन प्रभावित

कोंटा। ब्लॉक के अंतर्गत किस्टाराम, गोलापल्ली, एलमागुंडा, सेंदूरगुड़ा सहित आसपास के कई गांवों में पिछले 72 घंटे से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे भीषण गर्मी के बीच जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। बिजली बंद होने के कारण घरों में पंखे, कूलर और अन्य आवश्यक उपकरण बंद पड़े हैं। वहीं मोटर चालित पेयजल व्यवस्था ठप होने से लोगों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों की स्थिति विशेष रूप से प्रभावित है।

लो- वोल्टेज और ट्रांसफार्मर क्षमता की कमी बनी बड़ी समस्या

क्षेत्र में लगे ट्रांसफार्मरों की क्षमता कम होने और बढ़ते लोड के कारण बिजली व्यवस्था बार-बार प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर लो वोल्टेज की समस्या भी बनी रहती है, जिससे उपकरण ठीक से संचालित नहीं हो पाते। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से दैनिक जीवन के साथ-साथ अन्य आवश्यक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। ये सिर्फ एक बार का आलम नहीं है।

स्थानीय स्तर पर देखा जाए तो बिजली जाने के बाद लंबे समय तक सुधार कार्य शुरू नहीं हो पाता, जिससे घंटों से लेकर कई बार दिनों तक बिजली बहाल नहीं हो पाती। लगातार बनी इस समस्या के चलते क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है। आवश्यक सेवाओं पर पड़ रहे प्रभाव को देखते हुए अब मांग उठ रही है कि बिजली आपूर्ति शीघ्र बहाल की जाए, ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाए और रखरखाव व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। साथ ही क्षेत्र में त्रि-फेज बिजली की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, क्योंकि यहां व्यापक स्तर पर खेती होती है।

कुंजाम हुर्रा सेंदूरगुड़ा सरपंच

क्षेत्र में बार-बार बिजली गुल होना आम समस्या बन गई है। लाइनमैन की कमी और समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण हालात और बिगड़ जाते हैं। उन्होंने विभाग से मांग की है कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

किसानों ने त्रि-फेज बिजली की मांग उठाई

क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए त्रि-फेज बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई है। यह क्षेत्र धान उत्पादन के लिए जाना जाता है, जहां बड़ी मात्रा में खेती होती है। ऐसे में पर्याप्त और नियमित बिजली आपूर्ति नहीं होने से किसानों को सिंचाई में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

कनिष्ठ अभियंता (जेई) नेहरू लाल

विभाग में स्टाफ की भारी कमी है और कार्यक्षेत्र काफी विस्तृत होने के कारण फॉल्ट का पता लगाने एवं मरम्मत कार्य में विलंब हो रहा है। उन्होंने कहा कि सीमित कर्मचारियों के चलते समय पर समस्या का समाधान कर पाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने आगे जानकारी दी कि स्टाफ की कमी को लेकर उच्च अधिकारियों को आवेदन भेजा गया है।

उईका सेंचा, निवासी एलमागुंडा

बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण घर में रहना मुश्किल हो गया है। भीषण गर्मी के बीच पेयजल की समस्या भी गंभीर हो गई है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए उपयुक्त स्थान पर नया सब-स्टेशन बनाया जाए, ताकि किसी भी प्रकार का फॉल्ट आने पर तत्काल मरम्मत कार्य किया जा सके और लोगों को समय पर बिजली सुविधा मिल सके।

कोण्डागांव में आंधी-तूफान का असर, कई बिजली खंभे टूटे, पेड़ गिरे, बिजली-पानी संकट गहराया

कोण्डागांव। नगर में देर रात अचानक आए तेज आंधी-तूफान ने पूरे नगर का नजारा बदल दिया। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बिजली के खंभे टूट गए, अनेक जगहों पर पेड़ गिर पड़े, वहीं कई इलाकों में बिजली तार क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम की इस मार से शहर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को पानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग की टीम रातभर सुधार कार्य में जुटी रही और अब भी कई क्षेत्रों में मरम्मत कार्य जारी है। विभागीय जानकारी के अनुसार दोपहर तक अधिकांश नगर क्षेत्रों में बिजली बहाल होने की संभावना है, लेकिन सुबह के समय पानी की समस्या से नागरिकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। डोंगरीगुड़ा क्षेत्र में कैलाश पोयाम के घर के पास दो बिजली पोल और तार क्षतिग्रस्त होने से डोंगरीगुड़ा व जामकोटपारा प्रभावित हैं। मरारपारा स्थित HDFC बैंक के पास तार टूटने से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मरारपारा, रोजगारीपारा, कुम्हारपारा और जोदारापदर क्षेत्रों में बिजली बाधित रही। वहीं प्रेम नगर और नहरपारा मेन 11 केवी लाइन में भी तार टूटने और गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेका पद्धति के कारण मरम्मत कार्य की गति धीमी है, जिससे परेशानी और बढ़ गई है। फिलहाल नागरिकों को बिजली और पानी दोनों समस्याओं से राहत मिलने का इंतजार है।

समर कैंप में निखर रही बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा

बंधा तालाब गार्डन में समर कैंप, बच्चे सीख रहे कला और हुनर

कोण्डागांव। जिला प्रशासन की पहल पर शिक्षा विभाग द्वारा 1 मई से 21 मई तक स्थानीय बंधा तालाब स्थित गार्डन में समर कैंप आयोजित किया जा रहा है। समर कैंप में स्कूली बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें बच्चे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। कैंप में ड्राइंग-पेंटिंग, टेराकोटा कला, संगीत, क्लासिकल डांस, जुम्बा डांस, कबाड़ से जुगाड़, मेहंदी कला और वैदिक गणित जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

बच्चों को कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से नई चीजें सीखने का अवसर मिल रहा है। प्रशिक्षण के लिए जिले के कलाकार और प्रशिक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। खेम वैष्णव ड्राइंग-पेंटिंग, बुसचंद चक्रधारी टेराकोटा कला, कमल चौहान वाद्य संगीत, काजल अंसारी क्लासिकल डांस, बृजेश पवार जुम्बा डांस, तौसीफ आलम वादन, हुमा खान मेहंदी कला, माहिन खान कबाड़ से जुगाड़ तथा अंकित गुप्ता और नारायण सिंह साहू वैदिक गणित का प्रशिक्षण दे रहे हैं। समर कैंप के लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक विद्यार्थी सुबह समर कैंप स्थल बंधा तालाब गार्डन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोण्डागांव और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। कार्यक्रम जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।

जनगणना 2026 को लेकर जागरूकता अभियान तेज, एलईडी वैन से किया गया व्यापक प्रचार-प्रसार

किरंदुल। जनगणना कार्य को सफल बनाने हेतु जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा हैं। इसी क्रम में जनगणना कार्य निदेशालय रायपुर द्वारा उपलब्ध कराए गए जनगणना जागरूकता रथ (एलईडी वैन) के माध्यम से 02 मई शनिवार जय स्तंभ चौक किरन्दुल में जनगणना का प्रचार-प्रसार किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा उपस्थित नागरिकों को जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील करते हुए शपथ दिलाई। इस दौरान नुक्कड़ नाटक के जरिए आमजन को जनगणना कार्य के महत्व से अवगत कराते हुए सहयोग की अपील की गई। प्रचार-प्रसार स्थलों पर लोगों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। जिले में जनगणना कार्य के सुचारू संचालन हेतु कुल 11 चार्ज जनगणना अधिकारी, 97 पर्यवेक्षक एवं 561 प्रगणकों की नियुक्ति की गई है तथा 549 गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। 01 मई 2026 से मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य प्रारंभ हो चुका है और अधिकांश गणना ब्लॉकों में कार्य शुरू कर दिया गया है।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, जिससे विकास योजनाओं के लिए सटीक आंकड़े उपलब्ध हो सकें।

छठी शताब्दी में निर्मित बुद्ध चैत्यगृह में स्थित तथागत गौतम बुद्ध की विशाल प्रतिमा के सम्मुख हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

नारायणपुर । विश्व को अहिंसा, करुणा, शांति और प्रेम का शाश्वत संदेश देने वाले सम्यक संबोधि तथागत गौतम बुद्ध की 2588 वीं जयंती बस्तर संभाग के प्रमुख बौद्ध स्थल भोंगापाल जिला कोंडागांव में छठी शताब्दी में निर्मित बुद्ध चैत्यगृह में स्थित तथागत गौतम बुद्ध की विशाल प्रतिमा के सम्मुख हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वीरेंद्र बहादुर पंचभाई अपर कलेक्टर नारायणपुर एवं अनिल खोबरागड़े प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज ने सर्वप्रथम तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा के सामने मोमबत्ती, अगरबत्ती जलाकर उनके चरणों में पुष्प एवं खीर अर्पित किया। इस अवसर पर सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के अध्यक्ष गुलाब बघेल, समाजसेवी अशोक चौधरी, बौद्ध समाज लंजोड़ा के जयंत वासनीकर, ग्राम पंचायत भोगापाल के सरपंच रामसाय नाग, समिति के अध्यक्ष फूलसिंह कोर्राम, सचिव दिनेश सोरी सहित समस्त उपासक उपासिकाओं एवं ग्राम वासियों ने त्रिशरण पंचशील का पाठ कर बुद्ध वंदना की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वीरेंद्र बहादुर पंचभाई ने कहा कि बुद्ध धम्म तथागत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित है जिसका मूल उद्देश्य दुखों से मुक्ति और निर्वाण प्राप्त करना है। भगवान बुद्ध ने हमें प्रज्ञा, शील, करुणा, अहिंसा का पालन करना एवं मध्यम मार्ग, चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग और पंचशील का सिद्धांत दिया जो भी प्रासंगिक है। छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं भोंगापाल बुद्ध महोत्सव के संयोजक अनिल खोबरागड़े ने कहा कि युद्ध और संघर्ष से जूझती दुनिया को तथागत गौतम बुद्ध ने अहिंसा और करुणा का संदेश दिया। उन्होंने मध्यम मार्ग सुझाया जो व्यावहारिक जीवन जीने का दर्शन है। बुद्ध ने अंधविश्वास के बजाय तर्क, आत्म अनुभव, नैतिक आचरण के साथ सामाजिक समानता पर जोर दिया। उन्होंने मन को शांत करने और दुखों के मूल कारण को समझने के लिए ध्यान करना सिखाया। बुद्ध के विचार आज भी तनावपूर्ण दुनिया में शांति सदभाव और मानवीय मूल्यों के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। इस आयोजन में प्रमुख रूप से जीवनलाल मेश्राम, गौतम रंगारी, ज्वाला प्रसाद तुरकर, रोशनी मेश्राम, कुसुम रंगारी, रजमन नाग,सोपसिंह कोर्राम, सुमन सलाम, संतु मंडावी, सतिर सोरी, सोपसिंह सलाम आदि उपस्थित थे।

शादी भोज के बाद फैली उल्टी-दस्त की शिकायत, 46 लोग बीमार

कोण्डागांव । जिला मुख्यालय से लगे डोंगरीगुड़ा के राऊतपारा में शादी समारोह के अंतिम दिन आयोजित भोज कार्यक्रम के बाद बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत बिगड़ गई। परिवार और पारा-पड़ोस के लोग भोज में शामिल हुए थे, जिसके अगले दिन कई लोगों में उल्टी-दस्त की शिकायत सामने आई। सूचना मिलते ही 2 मई को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर के चतुर्वेदी के निर्देश पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र बघेल ने तत्काल चिकित्सा दल को मौके पर भेजा। सेक्टर पर्यवेक्षक हरीश जायसवाल एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर 46 मरीजों का उपचार किया, जबकि 2 गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर किया गया। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि, राऊतपारा निवासी सगई यादव के लड़की के विवाह संपन्न हुआ। जिसके बाद परिवार एवं पारा-पड़ोस के लोगों के लिए भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भोज कार्यक्रम में शामिल लोगों का 1 मई की शाम तक स्वास्थ्य बिगड़ने लगा, जिस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। विभाग के अनुसार, भोज में शामिल लोगों ने मुर्गा, पनीर, दाल चावल खाया था, इसी में से किसी भोजन में संक्रमण के कारण फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई गई है।

रॉट आयरन निर्माण प्रक्रिया से रूबरू हुई जयपुर की टीम शिल्पकला को मिलेगा नया बाजार, जयपुर की टीम ने देखा हुनर

कोण्डागांव। जिले की पारंपरिक शिल्पकला अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान बनाने की ओर तेजी से बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत राजस्थान की प्रतिष्ठित संस्था इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफक्राफ्ट्स एंड डिजाइन जयपुर की विशेषज्ञ टीम ने कोण्डागांव के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर यहां के शिल्पकारों के कौशल और पारंपरिक कला को करीब से समझा। विशेषज्ञों ने गांव-गांव पहुंचकर शिल्पकारों से संवाद किया और उनके कार्यों का अवलोकन किया। ग्राम करनपुर में ढोकरा शिल्प की जटिल निर्माण प्रक्रिया ने टीम को विशेष रूप से प्रभावित किया। वहीं ग्राम छोटेराजपुर और कुसमा में रॉट आयरन शिल्पकला का निरीक्षण करते हुए संबंधित समूहों से चर्चा की गई। इस दौरान बाजार से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। राज्य कार्यालय से सहायक राज्य कार्यक्रम प्रबंधक मनोज मिश्रा के नेतृत्व में जिला और विकासखंड स्तर के अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोण्डागांव अविनाश भोई के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक कुंजलाल सिन्हा ने शिल्पकारों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित किया। विशेषज्ञों ने माना कि कोण्डागांव के शिल्पकारों में अद्भुत कौशल और सृजनात्मकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक डिजाइन, बेहतर फिनिशिंग और प्रभावी ब्रांडिंग से इन उत्पादों को बड़े बाजारों में बेहतर पहचान मिल सकती है। टीम ने शिल्पकारों को बाजार के नए रुझानों, ग्राहकों की पसंद और आकर्षक पैकेजिंग के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। आईआईसीडी जयपुर ने बस्तर के शिल्पकारों को विशेष प्रशिक्षण के लिए जयपुर आमंत्रित किया है। वहां उन्हें ई-कॉमर्स, डिजाइन नवाचार और आधुनिक विपणन तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, ताकि उनके उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाया जा सके।

ऐसे बदलेगी शिल्पकारों की तकदीर

इस पहल के तहत शिल्पकारों को आधुनिक डिजाइन, पैकेजिंग और ब्रांडिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। इससे शिल्पकारों के उत्पादों की मांग बढ़ने और आय में वृद्धि की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना ड्यूटी के दौरान शिक्षक पर हमला, जुर्म दर्ज

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में जनगणना कार्य के दौरान शिक्षक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. बिल्हा ब्लॉक के ग्राम घोघरा में जनगणना की जानकारी लेने पहुंचे शिक्षक के साथ एक नहीं, तीन बार मारपीट की गई. साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई. शिक्षक ने बिल्हा थाने में मारपीट के खिलाफ शिकायत दी. पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक, शनिवार की सुबह करीब 10 बजे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला उड़नताल में पदस्थ शिक्षक नेतराम पैकरा जनगणना ड्यूटी करने ग्राम घोघरा गए थे. इसी दौरान गांव के मकान नंबर 141 में राम करेस चतुर्वेदी के घर के पास गांव के ही निर्मल सतनामी मौके पहुंचा और शिक्षक के साथ तुम यहां क्या कर रहे हो कहते हुए शिक्षक के साथ मारपीट करने लगा. शिक्षक ने तहसीलदार द्वारा जारी आईडी कार्ड भी दिखाया, तो निर्मल ने कहा कि ऐसे कई कार्ड बन जाते है और फिर से मारपीट की. इससे घबरा कर शिक्षक पंचायत भवन पहुंचा. वहां सरपंच को पूरे घटना की जानकारी दे रहा था. उसके बाद भी आरोपी युवक, शिक्षक की एक ना सुनते हुए उसका आईडी कार्ड,और शर्ट को फाड़ दिया. वहां मौजूद अन्य लोगो ने बीच बचाव किया. जिसके बाद शिक्षक दगौरी जाने निकला जिसका आरोपी ने रॅजिश पूर्व चुराघाट तक पीछा किया. इस घटना के बाद से शिक्षक भयभीत है. उसने घटना की जानकारी प्रशासनिक और शिक्षा अधिकारियों को दी. जहां से उसे पुलिस में अपराध दर्ज कराने के निर्देश दिए गए. जनगणना कार्य में लगे शिक्षक के साथ मारपीट की रिपोर्ट बिल्हा थाने में दर्ज कराई गई. शिक्षक नेतराम पैकरा की रिपोर्ट पर पुलिस ने मारपीट करने वाले आरोपी निर्मल सतनामी के खिलाफ बीएनएस की धारा 132, 221, 121 (1) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है. अभी तक आरोपी निर्मल पुलिस की पकड़ से बाहर है. उसको गिरफ्तार नहीं किया गया है.

आईटीआई कोनी में अप्रेंटिसशिप मेला 11 मई को

बिलासपुर। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी के नवीन भवन में 11 मई को सवेरे 10.30 बजे से अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। मेले में जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से विद्युतकार, फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, शीट मेटल वर्कर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, ट्रेक्टर मैकेनिक, प्लम्बर, कोपा एवं वेल्डर के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने सभी दस्तावेजों के साथ शामिल हो सकते है।

बिटकुली और नर्मदानगर में आज सुशासन शिविर

बिलासपुर। सुशासन तिहार अंतर्गत जिले के कोटा ब्लॉक के बिटकुली में 5 मई को जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। ग्राम बिटकुली, करवा, कुरूवार, उपका, डांडबछली, आमागोहन, खोंगसरा, टांटीधार, मोहली, तुलुफ नवागांव सोनसाय, नगपुरा, नगोई एवं सोनपुरी के ग्रामीण इस शिविर का लाभ ले सकते है। बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र में 5 मई को वार्ड क्रमांक 15, 16 एवं 17 के लिए वार्ड क्र. 17 के नर्मदा नगर सामुदायिक भवन में शिविर लगेगा। इन शिविरों में आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, स्वास्थ्य सेवाएं तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह अभियान जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चरणबद्ध रूप से संचालित किये जा रहे है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुंचकर अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठाएं और शासन की योजनाओं से जुड़कर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

रेलवे अंडरब्रिज में बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की पहल

बिलासपुर। मंडल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत रेलवे अंडरब्रिज में लोगों को बेहतर सड़क आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रेल प्रशासन प्रतिबद्ध है 7 इसी क्रम में रेलवे प्रशासन द्वारा जांजगीर नैला कापन स्टेशनों के मध्य किमी 677/31-678/01 में स्थित कन्हाई बंद रेल अंडरब्रिजको दिनांक 10 मई 2026 (रविवार) से 20 मई 2026 (बुधवार) तक पूर्णत: बंद कर रोड मरम्मत एवं अन्य आवश्यक कार्य करने का निर्णय लिया गया है । इसके फलस्वरूप यह रेल अंडरब्रिज दिनांक 10 मई 2026 (रविवार) से 20 मई 2026 (बुधवार) तक सड़क आवागमन हेतु पूर्णत: बंद रहेगी। इस अवधि में आमजनों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में समपार संख्या 345 (बलौदा फाटक) का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। यातायात बंद होने के कारण होने वाली असुविधा के लिए रेल प्रशासन खेद व्यक्त करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

सुशासन तिहार

सोंठी समाधान शिविर में 66 आवेदनों का मौके पर निराकरण

■ हितग्राहियों को मिली विभिन्न योजनाओं की सौगात बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने लिया शिविर का लाभ

बिलासपुर। मस्तुरी विकासखंड के शासकीय हाई स्कूल प्रांगण सोंठी में आयोजित समाधान शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 144 आवेदनों में से 66 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को समयसीमा निर्धारित की गई। शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा आमजनों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही, विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए चेक, स्वीकृति आदेश एवं आवश्यक दस्तावेज वितरित किए गए। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती सोनवानी, जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मीन पोर्ते, सरपंच सोंठी श्रीमती नौमा वस्त्रकार, एसडीएम श्री शिवकुमार कंवर, सीईओ मस्तुरी श्री जे.आर. भगत भी शामिल हुए। शिविर में महिला बाल विकास विभाग द्वारा 5 छात्रों काव्या, इशिका, स्मृति, हितेश और अंश को 6 वर्ष पूर्ण कर शाला प्रवेश करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत तीन हितग्राहियों के खाते भी खोले गए। बैंक लिंकेज के माध्यम से ग्रामीण बैंक द्वारा गरिमा, रीता, जय मां लक्ष्मी, अराधना एवं जय मां मनका दाई महिला स्व सहायता समूह को 1.5 लाख से 4 लाख तक का सेंक्शन लेटर प्रदान किया गया। राजस्व

विभाग द्वारा ग्राम जेवरा के विकेश कुमार को जाति प्रमाण पत्र, सोंठी के ललित सिंह नेटी एवं पायल नेटी, ग्राम पीपरानार के अरूण कुमार नेटी, पलक नेटी, पल्लवी नेटी एवं मड़ई के सौरभ कुमार टेंगवार को आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र दिये गये। साथ ही ग्राम मड़ई के किसान श्री रामनारायण टेंगवार को ऋण पुस्तिका की द्वितीय प्रति दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत ग्राम सोंठी के हितग्राही जीरा बाई, रामकली एवं संतोषी महंत को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र एवं 15 ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। शिविर में निरतू की रोशनी, खम्हरिया की उत्तरा कंवर एवं उनी की सुषमा और चन्द्रप्रकाश को जाति प्रमाण पत्र दिया गया। शिविर में मस्तुरी विकासखण्ड अंतर्गत सोंठी, जेवरा, खोंधरा, निरतु, बसहा, उडार्गी, कुकदा, कुली, उनी, बिटकुला, मड़ई, खम्हरिया, जुहली और लुतरा के ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान श्री सन्यवर्धन कौशिक, श्रीमती नंदनी साहू, श्री दीपक शर्मा, श्री अभिलेष यादव, श्रीमती बबीता पाटनवार, श्री घनश्याम सिंह ठाकुर, श्री नागेश्वर सिंह ठाकुर, श्री रामफल धीवर, श्री मदन पाटनवार, श्री धनसाय जगत, श्री हथेश्वर सिंह ठाकुर, श्री नारायण साहू, श्री मूलचंद पटेल, श्री फिरत अनंत, श्री टीकाराम चंद्राकर, श्री कांशीराम जायसवाल, श्री बलराम पाटनवार, श्री कुलेश्वर पाटनवार एवं श्रीमती गीता सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

अब घर बैठे मिलेगा नया बिजली कनेक्शन

■ उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने विभाग की नई पहल – ईडी अम्बस्थ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के लिए नई सौगात दी गई है। बिजली विभाग ने नया कनेक्शन लेने के लिए बार-बार दफ्तर जाने से मुक्ति दिलाने हेतु ऑनलाईन पंजीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह से सुगम बना दिया है। अब घर बैठे ही कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया जा सकता है। इस पहल का उद्देश्य प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा सरलता

लाना है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने उपभोक्ताओं की सेवा में विस्तार करते हुये दिनांक 1 अप्रैल 2026 से नवीन विद्युत कनेक्शनों के आवेदन प्रक्रिया को पूर्णत: ऑन लाइन करने की सुविधा प्रारंभ की है। अब लोगों को नवीन कनेक्शन हेतु विद्युत कार्यालय जाने की आवश्यकता नही होगी। नवीन कनेक्शनों के ऑन लाइन आवेदन मोर बिजली एप एवं सी.एस.सी.(कॉमन सर्विस सेंटर) में कंपनी वेबसाइट के माध्यम से भी कर सकता है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की वेबसाइट पर पंजीकृत ऑन लाइन नवीन कनेक्शनों के आवेदनों पर विद्युत कंपनी द्वारा आगामी कार्यवाही संपादित की जावेगी। ऐसे आवेदक जो आवेदन ऑन लाइन नहीं कर भौतिक रूप से वितरण केन्द्र/जोन/उपसंभाग कार्यालय में प्रस्तुत करते हैं, उनके आवेदनों को ऑन लाइन कनेक्शन " वितरण केन्द्र/उपसंभाग/जोन कार्यालयों के हेल्प डेस्क हेतु " जिम्मेदार ऑफिस स्टॉफकनिष्ठ अभियंता/सहायक अभियंता द्वारा कार्यालय के कम्प्यूटर सिस्टम में ऑन लाइन पंजीबद्ध करना होगा। आवेदन आवेदक के मोबाइल नम्बर से ही ऑनलाइन पंजीकृत किया जावेगा।

बंगाल में खिला 'कमल', असम में जीत की हैट्रिक से गदगद हुए अमर अग्रवाल

■ नगर विधायक ने जीत को बताया मोदी के सुशासन की जीत; बोले- बंगाल में खत्म हुआ दमन और गुंडागर्दी का दौर

बिलासपुर। 4 मई को घोषित हुए पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने देश की राजनीतिक दिशा तय कर दी है। इन परिणामों पर अपनी तीखी और उत्साहजनक प्रतिक्रिया देते हुए बिलासपुर के नगर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि जनता ने एक बार फिर 'मोदी की गारंटी' को सर्वोपरि माना है। उन्होंने विशेष रूप से बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त और असम में लगातार तीसरी बार मिली जीत को भारतीय राजनीति का टर्निंग

पॉइंट बताया। विधायक अमर अग्रवाल ने बंगाल के नतीजों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वर्षों से ममता सरकार की अराजकता, दमन और गुंडागर्दी को सह रही बंगाल की जनता ने अब भगवा को अपना लिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस की पगडंडियों पर चलकर ममता सरकार ने जो अपराध किए, जनता ने उसका हिसाब चुकता कर दिया है। आज बंगाल भगवामय है और वहां जीत की खुशी में रसगुल्ला के साथ-साथ झालमुड़ी भी बंट रही है। अमर अग्रवाल ने असम की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि हेमंता बिस्वा सरमा की सरकार पर जनता का यह अटूट विश्वास प्रधानमंत्री मोदी के विजन की जीत है। वहीं, पुडुचेरी में भगवामयी लहर को उन्होंने बदलाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी की जनता ने मोदी जी के संकल्पों को अपना मानकर विकास के पक्ष में मतदान किया है। असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत और पुडुचेरी में मिली सफलता को उन्होंने प्रधानमंत्री की तपस्या का प्रतिफल बताया। अमर अग्रवाल ने कहा मोदी जी का एकमात्र विजन देश को भलाई है और आज उनके संकल्पों को सिद्ध होते देख मन गदगद है। इस दौरान उन्होंने लोकतांत्रिक गरिमा का परिचय देते हुए तमिलनाडु और केरल में विजयी दलों को भी बधाई दी।

सुलह की बात बनी खूनी वारदात, गले पर चाकू मार युवक की हत्या, 3 आरोपी और 2 नाबालिग गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र में मामूली विवाद ने खौफनाक मोड़ लिया और सुलह के लिए पहुंचे युवकों पर ऐसा हमला हुआ कि एक की जान चली गई, घटना 2 मई 2026 की रात करीब 10:30 बजे मोपका चौक स्थित कलकत्ता स्वीट्स के सामने हुई जहां ओम प्रकाश यादव अपने साथियों अभिषेक यादव, पंकज साहू और अजय साहू के साथ पुराने विवाद को खत्म करने के इरादे से अजीत सूर्यवंशी और उसके साथियों से मिलने पहुंचा था, लेकिन बातचीत शुरू होते ही माहौल गरमाया, गाली-गलौज हुई और देखते ही देखते विवाद हिंसक झगड़े में बदल गया, इसी दौरान आशीष सूर्यवंशी पिता सुखदेव सूर्यवंशी उम्र 22 साल निवासी तोरवा रोड सुरेंद्र गैरेज के सामने किराये का मकान मोपका ने अपनी कमर में छुपाकर रखा धारदार चाकू निकाला और सीधे अभिषेक यादव के गले पर वार कर दिया, वार इतना खतरनाक था कि गला सामने से कट गया और अभिषेक मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा, वहीं ओम प्रकाश यादव को भी बेरहमी से पीटा गया जिससे उसके गले और हाथ में गंभीर

चोटें आईं, घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए, घायल अभिषेक यादव और ओम प्रकाश यादव को उनके दोस्तों ने तत्काल अपोलो अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने अभिषेक यादव को मृत घोषित कर दिया, घटना की सूचना मिलते ही प्रार्थी अभय यादव पिता संतोष यादव उम्र 19 वर्ष निवासी गुड़ीपारा संतोषी चौक मोपका ने थाना सरकंडा में रिपोर्ट दर्ज कराई, मामला दर्ज होते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर तत्काल एक्शन लिया गया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन निमितेश सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रदीप आर्य के नेतृत्व में मोपका चौकी प्रभारी ओपी कुर्रे और स्पेशल टीम की संयुक्त टीम बनाई गई, पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना और लगातार दबिश के जरिए कुछ ही घंटों में आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से घेराबंदी कर पकड़ लिया, गिरफ्तार आरोपियों में आशीष सूर्यवंशी, महावीर सूर्यवंशी पिता संतराम सूर्यवंशी उम्र 23 साल निवासी तोरवा रोड मोपका, रघुवीर सूर्यवंशी पिता संतराम सूर्यवंशी उम्र 26 वर्ष निवासी वही पता शामिल हैं, साथ ही इस वारदात में शामिल दो विधि से संघर्षरत बालकों को भी हिरासत में लिया गया है, पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर लिया है और सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, यह घटना साफ संकेत देती है कि छोटी-सी कहासुनी अगर समय रहते नहीं संभाली जाए तो वह पलभर में जानलेवा बन सकती है और बहरहाल सरकंडा पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने साबित कर दिया कि अपराध के बाद बच निकलना अब आसान नहीं रहा।

अवैध मिट्टी उत्खनन और परिवहन पर 24 प्रकरणों में कार्रवाई

■ 9 लाख 27 हजार से अधिक की वसूली

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले में ईंट निर्माण हेतु अवैध मिट्टी उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 24 प्रकरण दर्ज किए हैं। इन मामलों में 9 लाख 27 हजार 663 रुपये की समझौता राशि वसूल कर खनिज मद में जमा कराई गई है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध उत्खनन के 8 प्रकरणों में 6 लाख 50 हजार 783 रुपये तथा अवैध परिवहन के 16 प्रकरणों में 2 लाख 76 हजार 880 रुपये की राशि वसूली गई। विभाग द्वारा जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियमित जांच एवं निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला बिलासपुर में गौण खनिज मिट्टी ईंट के कुल 29 उत्खनिपट्टा स्वीकृत हैं, जिनमें से 4 पट्टे वर्तमान में व्यपगत (लैप्स) हैं। शेष स्वीकृत इकाइयों में पर्यावरणीय स्वीकृति एवं नियमानुसार संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। खनिज विभाग के उप संचालक किशोर गोलघाटे ने बताया कि जिले में मिट्टी ईंट के स्वीकृत उत्खनी पट्टा के अतिरिक्त अन्य ईंट पंजा भट्टा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम तीन अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासी आनुवांशिक कुम्हार या उनकी सहकारी समिति द्वारा परंपरागत संसाधनों से बर्तन कवेलू और ईंट बनाने के लिए छूट प्राप्त है। इसके अतिरिक्त किसी के द्वारा ईंट निर्माण के संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। जिले में मिट्टी ईंट निर्माण एवं उत्खनन गतिविधियों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। जांच के दौरान अवैध संचालन पाए जाने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाती है। विभागीय अमला लगातार क्षेत्रीय निरीक्षण कर शिकायतों का निराकरण भी कर रहा है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं राजस्व हानि रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था और अधिक मजबूत की जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में डिजिटल टिकटिंग एवं कैशलेस सेवाओं का विस्तार!

■ यात्रियों की सुविधा हेतु आधुनिक, तेज़ एवं पारदर्शी सेवाओं की दिशा में एक और कदम

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 44 स्टेशनों पर कुल 87 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्थापित।

■ यात्री सुविधाओं में बड़े विस्तार के रूप में 38 नई ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनें होंगी शीघ्र स्थापित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप, यात्रियों को सहज, तेज़ एवं कैशलेस सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से अपने डिजिटल सेवा ढांचे को लगातार सुदृढ़ कर रहा है। इसी क्रम में रेलवे स्टेशनों एवं यात्री सेवा केंद्रों पर डिजिटल टिकटिंग सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, तेज़ एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध हो सकें। यात्रियों को बिना कतार में लगे शीघ्र अनारक्षित टिकट उपलब्ध कराने के लिए ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन

(एटीवीएम) सुविधा को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 44 स्टेशनों पर कुल 87 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें बिलासपुर मंडल के 13 स्टेशनों पर 32 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन, रायपुर मंडल के 12 स्टेशनों पर 26 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन तथा नागपुर मंडल के 19 स्टेशनों पर 29 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन कार्यरत हैं। यात्रियों की बढ़ती मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए निकट भविष्य में 38 अतिरिक्त ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्थापित किए जाने की योजना है, जिनमें बिलासपुर मंडल में 12, रायपुर मंडल में 16 तथा नागपुर मंडल में 10 नई मशीनें शामिल हैं। यह विस्तार स्व-टिकटिंग प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा तथा यात्रियों के समय की बचत के साथ टिकटिंग प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में डिजिटल लेन-देन के प्रति यात्रियों की बढ़ती स्वीकृति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। वर्तमान में यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) के 42 प्रतिशत लेन-देन डिजिटल माध्यम से हो रहे हैं, जबकि अनारक्षित टिकटिंग (यूटीएस एवं एटीवीएम) के 34 प्रतिशत लेन-देन डिजिटल भुगतान के माध्यम से संपन्न हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पार्सल कार्यालयों में 100 प्रतिशत डिजिटल लेन-देन सुनिश्चित किया जा चुका है तथा टिकट जांच से प्राप्त होने वाली आय का 26 प्रतिशत हिस्सा भी डिजिटल माध्यम से संग्रहित किया जा रहा है। डिजिटल भुगतान प्रणाली के बढ़ते उपयोग से न केवल टिकटिंग सेवाओं में तेजी आई है, बल्कि नकद लेन-देन पर निर्भरता में कमी आई है, जिससे पारदर्शिता एवं जवाबदेही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे यात्रियों को अधिक सुविधा एवं बेहतर अनुभव प्राप्त हो रहा है। साथ ही, यह पहल पर्यावरण संरक्षण के लिए पेपरलेस व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ वित्तीय समावेशन एवं डिजिटल सशक्तिकरण को भी प्रोत्साहित कर रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सेवा गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

घर की नींव में क्यों रखते हैं चांदी के नाग-नागिन और कलश?

घर को बनवाते समय कई नियमों का पालन करना बेहद आवश्यक है। ऐसा माना जाता है कि घर की नींव रखते समय वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करना बेहद फलदायी होता है। घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन और कलश रखा जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि ऐसा क्यों किया जाता है और इसके पीछे का रहस्य क्या है? श्रीमद् भागवत महापुराण के पांचवें स्कंद में उल्लेख है कि धरती के नीचे पाताल लोक है और इसके स्वामी शेषनाग हैं। इसलिए घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन को रखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि शेष नाग इससे संपत्ति और घर की सदैव रक्षा करते हैं।

मिलते हैं ये फायदे

- घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन को रखने से महादेव की कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नाग-नागिन के जोड़े से वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है।
- घर की नींव में नाग-नागिन के जोड़े को रखने से घर पर बुरी शक्तियों का कोई असर नहीं होता है। साथ ही नजर दोष से बचाव होता है।
- इसके अलावा घर में सदैव सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।
- अगर आप चांदी के नाग-नागिन नहीं रख सकते हैं, तो पीतल के नाग-नागिन भी रख सकते हैं।

नींव में इसलिए रखा जाता है कलश

- मान्यता है कि कलश में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। घर की नींव रखने के दौरान कलश भी रखा जाता है। इसमें सिक्का, फूल और दूध डाला जाता है, जो नाग देवता को प्रिय है।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शेषनाग क्षीरसागर में रहते हैं। इसी वजह से नींव पूजा के दौरान कलश में दूध, घी और दही समेत आदि चीजों का अर्पित कर शेषनाग को बुलाया जाता है, जिससे ये घर की रक्षा कर सके।

आइब्रो से पता करें सामने वाले व्यक्ति का व्यवहार

आइब्रो चेहरे की सुंदरता को बढ़ा देती है। आइब्रो के शेप से चेहरा और अधिक खूबसूरत दिखने लगता है,लेकिन क्या आप जानते हैं, आपकी आइब्रो का आकार आपके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बता सकता है? अगर नहीं तो ये खबर आपके लिए है। आज हम आपको बताएंगे कि आइब्रो के आकार से आप व्यक्ति के व्यवहार के बारे में बता सकते हैं। बता दे कि यह एक मजेदार और दिलचस्प व्यक्तित्व परीक्षण है, जो आपको खुद को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकता है।

पतली आइब्रो वाले व्यक्ति

बात करें पतली आइब्रो वाले व्यक्ति कि तो ऐसे लोग निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करते हैं और अक्सर दूसरों पर निर्भर रहते हैं। यह लोग जरूरत से ज्यादा सोचते हैं और छोटी-छोटी बातों पर बहुत चिंता करने लगते हैं। पतली आइब्रो वाले शांत और धैर्यवान होते हैं साथ ही रचनात्मक और कल्पनाशील भी होता है।

घनी आइब्रो वाले व्यक्ति

अगर आपकी आइब्रो घनी है, तो यह आपके स्वतंत्र विचारों वाले व्यवहार को दर्शाता है। ऐसे लोग अपनी सोच में स्वतंत्र रहते हैं और दूसरों के दबाव देने पर झुकते नहीं है। ये लोग जीवन का भरपूर आनंद लेते हैं और एक बार जो ठान लेते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं।

धनुषाकार आइब्रो वाले व्यक्ति

अगर आपकी आइब्रो का आकार धनुषाकार है, तो ऐसे लोग जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करते है और उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ये लोग दूसरों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। ऐसी आईब्रो वाले लोग ईमानदार और सच्चे होते है। इन्हें दूसरों के सामने खुलकर बोलने में थोड़ा समय लगता है, लेकिन एक बार सहज होने पर ये अपने विचारों को व्यक्त करते है।

सीधी आइब्रो वाले लोग

सीधी आइब्रो वाले लोग भावनाओं से ज्यादा तर्क और तथ्यों पर भरोसा करते है। यह सोचने में स्पष्ट और व्यवस्थित होते हैं, ऐसे लोग भरोसेमंद और विश्वसनीय होते है। लेकिन ध्यान रहे ऐसे लोग अपनी राय पर अड़े रहते है और दूसरों के दृष्टिकोण को बदलने के लिए तैयार नहीं होते है। ये नियमों का पालन करने में सक्षम हो सकते हैं।

आपस में जुड़ी हुई आइब्रो

जिनकी आइब्रो आपस में जुड़ी हुई होती है, ऐसे लोग नए विचारों को उत्पन्न करने और समस्याओं को हल करने में सक्षम होते हैं। ये दूसरों के प्रति काफी दयालु होते हैं। यही नहीं ऐसे लोगों के पास एक मजबूत सहज ज्ञान होता है। वह योजना बनाने में हमेशा तैयार रहते हैं। लेकिन ध्यान रहे ऐसे लोग आसानी से नाराज हो सकते है।

रोजाना के रूटीन में योगासन को शामिल करना जरूरी

रोजाना के रूटीन में योगासन को शामिल करना जरूरी है। ये शरीर को फ्लैक्सिबल बनाते हैं और कई समस्याओं से निपटने में मदद करते हैं। चतुरंग दंडासन सूर्य नमस्कार के दौरान किए जाने वाले आसनों में से एक है। इसे करने पर आप कई समस्याओं से निपट सकते हैं। जानिए इस आसने के कुछ फायदे और इसे करने का तरीका।

कैसे करें चतुरंग दंडासन

चतुरंग दंडासन करने के लिए अपने दोनों पैरों को पीछे की ओर और हाथों को आगे की ओर रखते हुए बैठें। फिर समान रूप से सांस लेते रहें और अपनी दोनों एड़ियों को फैलाएं ताकि आप अपनी जांघों पर दबाव महसूस करें। अब अपने हाथों को आगे की ओर रखते हुए फर्श पर रखें और अपने सिर को फैलाकर रखें। अपने कंधों को नीचे और कानों से दूर रखें।

क्या है इस आसन करने के फायदे

चतुरंग दंडासन रीढ़ की हड्डी की लचकशक्ति और स्थिरता में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, यह कोर मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाते हैं और पीठ दर्द के खतरे को कम कर सकते हैं। चतुरंग दंडासन पीठ दर्द के दर्द को कम कर सकता है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये आसन तनाव के स्तर को कम करके दिल पर तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। ये आसन दिल की सेफ्टी करने में मदद कर सकता है।

सुख-समृद्धि के लिए रोजाना करें ये काम

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी की उपासना धन की देवी के रूप में की जाती है। ऐसे में यदि आप लक्ष्मी जी की कृपा के लिए रोजाना कुछ कार्य करते हैं, तो इससे आपके लिए धन आगमन के रास्ते खुलने लगते हैं। तो चलिए जानते हैं कि किन कार्यों को रोजाना करने से लक्ष्मी जी की कृपा की प्राप्ति हो सकती है।

मिलेगा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसा माना जाता है कि जो साधक नियमित रूप से पूजा-पाठ करता है, उसके घर में हमेशा सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। साथ ही शुक्रवार का दिन धन की देवी लक्ष्मी के लिए समर्पित माना गया है, तो ऐसे में इस दिन पर मां लक्ष्मी की पूजा करें और कनकधारा, श्रीयुक्त या लक्ष्मी सूक्त आदि का पाठ करें। ऐसे करने से घर में धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती।

रसोई घर में रखें इस बात का ध्यान

इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि स्नान के बाद ही रसोई में प्रवेश करें। इसके बाद रसोई की साफ-सफाई करें। इसके बाद रोटी बनाते समय पहली रोटी गाय को दें और आखिर की रोटी कुत्ते को खिलाएं। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

दहलीज पर करें ये काम

सुबह जल्दी उठकर घर के बाहर एक लोटा जल लेकर थोड़ा पानी छिड़कें और दहलीज की अच्छे से साफ करें। साथ ही घर के बाहर दीवार पर स्वस्तिक बनाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी का आगमन होता है और घर की आर्थिक स्थिति ठीक बनी रहती है।

गर्मियों में चाहिए ग्लोइंग और पिंपल फ्री स्किन

धार्मिक और सेहत की नजर से तो तुलसी का महत्व है ही, लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्किन केयर में इसका इस्तेमाल भी आपको शानदार फायदे दे सकता है। गर्मियों में आप भी पिंपल्स, सन-टैन या ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या से परेशान रहते होंगे। ऐसे में आइए आज आपको बताते हैं इन तमाम दिक्कतों से छुटकारा पाने के लिए तुलसी के इस्तेमाल का तरीका।

रेडनेस और इरिटेशन से मिलेगी सहत

प्यूरिफाइंग गुणों से भरपूर तुलसी आपके स्किन पोर्स को डीप क्लीन करने का हुनर रखती है। इसके लिए आप थोड़े पानी में इसकी कुछ पत्तियां डालकर उसे उबाल लें और रोजाना फेस वॉश के बाद इसे टोनर के रूप में यूज करें। इससे न सिर्फ रेडनेस दूर होगी, बल्कि इरीटेशन से भी राहत मिलेगी।

मिलेगी पिंपल फ्री स्किन

पिंपल फ्री स्किन और वो भी गर्मियों में? जी हां, यह मुमकिन है और इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को पीसकर इसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर और गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर अप्लाई कर लेना है। इससे कील-मुंहासों से तो छुटकारा मिलेगा ही, साथ ही गर्मियों में ऑयली स्किन से भी छुटकारा मिलेगा।

नहीं रहेंगे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स को दूर करने के लिए तुलसी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद है। इसके लिए आपको इसे नीम के कुछ पत्तों और शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाना है और 10 मिनट बाद धो लेना है। बता दे, गर्मियों में कई लोगों को त्वचा पर एक्स्ट्रा ऑयल की समस्या होती है, ऐसे में तुलसी के पत्ते इसे दूर करने में काफी माहिर हैं।

दाग-धब्बों से छुटकारा

कील-मुहांसे तो फिर भी चले जाते हैं, लेकिन इनके बाद रह जाने वाले दाग-धब्बे अक्सर लोगों के लिए सिरदर्द बन जाते हैं। ऐसे में, अगर आप भी कई सारे प्रोडक्ट्स यूज करके थक चुके हैं, तो इस बार तुलसी का इस्तेमाल करके देख सकते हैं। इसके लिए आपको एक मिक्सर में तुलसी के पत्ते, संतरे के छिलके और गुलाब जल मिलाकर इसके पेस्ट को चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगा लेना है। बस धीरे-धीरे ये एक्ने मार्क्स कम होने लगेंगे।

गैजेट्स साफ करने के तरीके

घर के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, जैसे टीवी, लैपटॉप, मोबाइल फोन और माइक्रोवेव, समय के साथ गंदे हो जाते हैं। अगर इन्हें सही तरीके से साफ न किया जाए, तो ये पुराने और बेकार दिखने लगते हैं। यहां कुछ आसान तरीके बताए गए हैं जिनसे आप अपने गैजेट्स को साफ रख सकते हैं और वे हमेशा नए जैसे दिखेंगे।

सॉफ्ट कपड़ा इस्तेमाल करें

गैजेट्स को साफ करने के लिए सॉफ्ट और माइक्रोफाइबर कपड़ा इस्तेमाल करें। यह कपड़ा स्क्रीन और सतह पर खरोंच नहीं आने देता। आप इसे हल्का गीला करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे धूल और गंदगी आसानी से साफ हो जाती है। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत गीला न हो, ताकि गैजेट्स में पानी न जाए। इस तरह आपके गैजेट्स हमेशा नए जैसे दिखेंगे।

हल्का गीला कपड़ा

थोड़ा सा पानी लें और कपड़े को हल्का गीला करें। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत ज्यादा गीला न हो ताकि पानी गैजेट्स के अंदर न जाए। हल्का गीला कपड़ा धूल और गंदगी साफ करने में मदद करता है और आपके गैजेट्स को सुरक्षित रखता है। इस तरह से गैजेट्स साफ और सुरक्षित रहेंगे, और वे हमेशा नए जैसे दिखेंगे।

सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें

कीबोर्ड, स्पीकर और अन्य छोटे हिस्सों की सफाई के लिए सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें। सॉफ्ट ब्रश से धूल और गंदगी आसानी से निकल जाती है। यह छोटे-छोटे कोनों और दरारों में भी सफाई कर सकता है, जहां कपड़ा नहीं पहुंच पाता। इससे आपके गैजेट्स साफ और नए जैसे दिखेंगे। रोजाना सफाई से गैजेट्स की उम्र भी बढ़ती है।

रात में नींद न आने के रिस्क

रात में अगर नींद नहीं आ रही है तो इसे हल्के में बिल्कुल भी न लें। क्योंकि, इसका सीधा कनेक्शन दिल की सेहत है। शोध के अनुसार, स्लीप साइकिल अच्छी न होने वाले लोग इंसोम्निया से पीड़ित होते हैं। उनमें हार्ट डिजीज का खतरा ज्यादा देखने को मिलता है। आजकल नींद की बीमारी से ज्यादातर लोग परेशान हैं। सही तरह न सोने की वजह से कई बीमारियां शरीर को घेर लेती हैं। जानिए नींद की समस्या और हार्ट हेल्थ का क्या कनेक्शन है और नींद न पूरी होने से कौन-कौन सी समस्याएं हो रही हैं।

- **ब्लड प्रेशर हाई होना**
अगर कोई 8 घंटे की नींद नहीं पूरी कर रहा है तो उससे शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है। इससे हार्ट पर दबाव बढ़ता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो दिल की बीमारी है। इसकी वजह से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- **शरीर में सूजन की समस्या**
पूरी नींद न होने की वजह से शरीर में सूजन और तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन बढ़ने लगता है। इस सूजन से आर्टरी को नुकसान हो सकता है। इससे हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ता है। इसलिए सावधान रहना चाहिए।
- **धड़कन की गति में अनियमितता**
नींद पूरी न होने से दिल की धड़कन में अनियमितता होने का खतरा रहता है, जिसे एरिथ्मिया कहते है, जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क बढ़ा सकता है। इसलिए रात में ज्यादा जागना नहीं चाहिए और नींद पूरी करनी चाहिए।
- **मोटापे का खतरा**
रात में ज्यादा देर तक जागने वालों में ज्यादा खाने की आदत होती है। खराब नींद की वजह से भूख बढ़ सकती है, क्योंकि इससे भूख बढ़ाने वाला हार्मोन बढ़ जाता है। इससे मोटापे का रिस्क रहता है, जो हार्ट डिजीज का प्रमुख कारण है।
- **सीवीडी**
नींद की समस्या से परेशान लोगों में दिल की बीमारियों का रिस्क बढ़ता है, जिसके स्ट्रोक और हार्ट की बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। अच्छे दिल की सेहत के उचित नींद लेना चाहिए, इसलिए नींद की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए।

"झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई" वीरता और त्याग की प्रतीक

मुंबई में राजश्री परिवार की गरिमामयी उपस्थिति में वरिष्ठ साहित्यकार एवं रॉयल्टी प्राप्त कवि रामकेश एम. यादव 'सरस' की सत्ताईसवीं कृति "झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई" (काव्य) का भव्य लोकार्पण सम्पन्न हुआ। कृति का विमोचन देवांश बड़जात्या द्वारा किया गया, जो प्रसिद्ध फिल्मकार सूरज बड़जात्या के सुपुत्र हैं।

कार्यक्रम का आयोजन राजश्री प्रोडक्शन्स के कार्यालय में किया गया, जहाँ राजश्री प्रोडक्शन्स के मैनेजर श्री पी. के. गुप्ता की उपस्थिति में साहित्यप्रेमियों एवं अतिथियों ने कृति की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे वीरता, त्याग और देशभक्ति से ओतप्रोत एक प्रेरणादायक रचना बताया। इस अवसर पर इस काव्य के लेखक रामकेश एम. यादव 'सरस' ने कहा कि उनकी यह काव्य कृति वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को समर्पित एक विनम्र श्रद्धांजलि है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान और त्याग की भावना जागृत करना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह उनकी सत्ताईसवीं (27वीं) पुस्तक है, जो उनके साहित्यिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

काव्य का प्रकाशन "मुस्कान एक एहसास" के संपादक एवं प्रकाशक लालबहादुर यादव 'लल्लन' द्वारा किया गया। राजश्री प्रोडक्शन्स, जिसकी स्थापना स्वर्गीय ताराचंद बड़जात्या ने की थी, भारतीय सिनेमा में पारिवारिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने के लिए विख्यात रहा है। इस आयोजन में उसी समृद्ध विरासत, सादगी और सांस्कृतिक गरिमा की प्रेरक झलक देखने को मिली। साहित्यप्रेमियों, पत्रकारों तथा अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की।

डीआईजी साहू ने जिले के राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों व विवेचकों की समीक्षा बैठक ली

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में जिले के राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों तथा विवेचकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान डीआईजी रामकृष्ण साहू ने थाना-वार लंबित चोरी और नकबजनी के प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। उन्होंने इन मामलों के शीघ्र निकाल के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीआईजी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों में गंभीरता और तत्परता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा की जाए। इसके अलावा बैठक में लंबित मोटर सायकल चोरी के मामलों की भी समीक्षा की गई और इनके शीघ्र निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंनें ने विजिबल पुलिसिंग को बढ़ावा देने, रात्रि गश्त, पेट्रोलिंग, कॉम्बिंग ऑपरेशन, करने के निर्देश दिए। साइबर प्रहरी अभियान एवं त्रिनयन एप के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सशक्त एप के माध्यम से वाहन चेकिंग को प्रभावी बनाने तथा स्मार्ट एवं हाईटेक पुलिसिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। डीआईजी ने सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आम जनता से सीधा संवाद करें तथा स्थानीय समस्याओं की जानकारी लेकर उनका त्वरित निराकरण करें। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंनें सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखने तथा सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांवअभियान के माध्यम से हॉट/बाजारों एवं ग्रामों, में जागरूकता अभियान चलाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं सउनि (अ) प्रवीण लोहले, थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, सत्य प्रकाश उपाध्याय, रोशन लाल टोन्डे, लेखराम ठाकुर, उप निरीक्षक डी.एल. सोना, राकेश साहू, योगेश अग्रवाल, राजकुमार साहू, असीम कीर्तनिया, सहायक उपनिरीक्षक योगेश्वर देशमुख, जितेन्द्र कश्यप, भले तीन पत्रा, कवल सिंह नेताम, भानु प्रताप पटेल, कृष्ण कुमार, पुरूषोत्तम कुलार्य, थाना/चौकी से प्रधान आरक्षक विवेचकगण, आरक्षक मनीष देवांगन सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कुंरा स्कूल छात्रा लक्ष्मी साहू ने नवागढ़ विकासखंड का नाम राज्य में रौशन किया

टॉप टेन की सूची में राज्य में नवां स्थान प्राप्त किया

बेमेतरा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंरा विकासखंड नवागढ़ में अध्यनरत छात्रा कु.लक्ष्मी साहू ने कक्षा बारहवीं में राज्य स्तर पर नवम् स्थान एवं बेमेतरा जिला से द्वितीय स्थान प्राप्त कर ग्राम कुंरा विकासखंड नवागढ़ का नाम रौशन किया। उन्होंने कुल 500 अंक में 483 अंक अर्जित कर 96.60% प्राप्त की है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंरा प्राचार्य जगजीवन राम साहू ने बताया की कु.लक्ष्मी साहू बचपन से होनहार छात्रा रही है जिन्होंने कक्षा दसवीं में भी 90स लाकर स्कूल का नाम रौशन की थी। किसान घर में जन्मी कु लक्ष्मी साहू आगे सिविल सेवा की परीक्षा दिलाकर देश की सेवा करना चाहती है। आज उनकी माता भुनेश्वरी साहू, पिता पुरुषोत्तम साहू बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे है। उनकी इस सफलता में संस्था के प्राचार्य जगजीवन राम साहू सहित सभी शिक्षक एवं सहेलियों का विशेष योगदान रहा है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर बेमेतरा प्रतिष्ठा ममगाई, जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा जी आर चतुर्वेदी, सहायक संचालक एस पी कोशले, विकासखंड शिक्षा अधिकारी नवागढ़ हितेंद्र बंजारे सहित सभी अधिकारियों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

प्रदेशभर की ग्राम पंचायतों में 'चावल महोत्सव' के साथ रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन

बेमेतरा। बेमेतरा प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में 07 मई को चावल महोत्सव के साथ रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का व्यापक आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सुशासन तिहार के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की प्रमुख योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत, विकासखंड एवं जिला स्तर पर दोनों योजनाओं से संबंधित सभी लंबित विषयों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। आवास योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को अधिकतम 90 दिनों में पूर्ण कराने के लिए ग्राम पंचायतों में विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। साथ ही हितग्राहियों को अब तक प्राप्त राशि की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर किया जाएगा। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को निर्माण सामग्री आपूर्ति एवं आजीविका गतिविधियों में भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने, लंबित जियो-टैगिंग कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा प्राप्त शिकायतों के तत्काल निराकरण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

देऊरगांव स्कूल में बोर्ड परीक्षा का परिणाम पहली बार 100 फीसदी

कुशल नेतृत्व और स्टॉफ से बेहतर समन्वय का परिणाम

बेमेतरा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देऊरगाँव विकासखंड साजा में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित कक्षा दसवीं एवं कक्षा बारहवीं की बोर्ड परिक्षाओं का परिणाम पहली बार 100 फ िसदी आया है। इसका सारा श्रेय संस्था के कुशल नेतृत्व और शिक्षकों की कड़ी मेहनत को जाता है। इस वर्ष कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षाओं में कुल 51 छात्र परीक्षा में बैठे थे तथा सभी 51 विद्यार्थी उत्तीर्ण हो गये। इनमे से 16 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी, 33 द्वितीय श्रेणी तथा 2 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में कु लुकेश्वरी सिन्हा ने 88.67% प्राप्त कर प्रथम स्थान बनाया, जबकि कु लाकेश्वरी ने 88.10 प्रतिशत प्राप्त कर द्वितीय स्थान बनाया। तीसरे स्थान पर कु हेमा रही। जिन्होनें 78.57 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 36 विद्यार्थी दर्ज रहे। जिनमें सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। कक्षा बारहवीं में 36 में से 19 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में जबकि 17 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। जिनमें प्रिया निषाद 83.87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहे। कु निशा 79.80 अंक प्राप्त कर दूसरे और कु पुजा 75.40 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। ऐसा पहली बार हुआ है कि देऊरगाँव स्कूल में दोनों कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में परीक्षा परिणाम 100 फीसदी रहा है। इसका सारा श्रेय विद्यालय के कुशल प्रबंधन और कुशल नेतृत्व को जाता है। यहां प्रभारी प्राचार्य के रूप में भाव सिंह नेताम कार्य कर रहे है। वे सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ बेहतर समन्वय बनाते हुए अच्छा संचालन कर रहे है। जबकि सहयोगी शिक्षक/ व्याख्याता चंद्रशेखर सोनी, मनीषा चौबे, सबिता यादव, हिना दुबे, हर्षा तिवारी, चितरंजन वर्मा, भगवती बघेल, भूपेश साहू, गोविन्द नारायण साहू, गुलाब वर्मा भी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन बेहतर ढंग से कर रहे है। यही कारण है की परिणाम बेहतर से उत्कृष्ट हुआ है। सभी शिक्षक शिक्षकाओं ने विद्यार्थियों को हमेशा कठिन परिश्रम करने प्रेरित किया है और परीक्षा परिणाम सुखद आने पर सभी बच्चों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

प्राक्चयन परीक्षा 10 मई को

बेमेतरा। राज्य शासन की महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। इसके साथ ही प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की तिथियां एवं परीक्षा समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। जारी सूचना के अनुसार, प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं-जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लेट एवं एनडीए-की सुदृढ़ तैयारी कराने के उद्देश्य से प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। प्रवेश पत्र डाउनलोड की तिथि 01 से 10 मई तक, परीक्षा की तिथि 10 मई, OMR शीट भरने का समय: प्रातः 9:30 बजे से 10:00 बजे तक। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें और परीक्षा के दिन समय से केंद्र पर उपस्थित हों।

गांजा 119 किलो 408 ग्राम, 114600 नग टेबलेट, 74 नगर नशीली दवाइयों को किया नष्ट

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के द्वारा बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना/चौकी में जब्त मादक पदार्थों के नष्टीकरण हेतु जिला स्तरीय औषधि निपटान (डिस्पोजल) समिति गठित की गई थी। जिसमें थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा क्षेत्रांर्गत बायोटेक फ्युल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पथर्रा में गांजा को जलाकर एवं टेबलेट, इंजेक्शन (नशीली दवाइयों) को भी विधिवत नष्टीकरण की कार्यवाही एनडीपीएस एक्ट अधिनियम में निहित प्रावधान अंतर्गत नियमानुसार की गई। आपको बता दें कि दुर्ग रेंज के बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना/चौकी में जप्त 11 प्रकरणों में प्रयुक्त मादक पदार्थों गांजा, टेबलेट, इंजेक्शन (नशीली दवाइयों) को नष्ट किया गया है जिसमें जिला बेमेतरा के थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा के 02 प्रकरणों में 84 किलो 615 ग्राम गांजा, थाना नवागढ में 01 प्रकरण में 01 किलो 634 ग्राम गांजा, थाना खम्हरिया में 01 प्रकरण में 40 ग्राम गांजा, थाना चंदनू में 01 प्रकरण में 490 ग्राम गांजा, थाना बेरला में 01 प्रकरण में 760 ग्राम गांजा, थाना दाढ़ी में 01 प्रकरण में 02 किलो 20 ग्राम गांजा का पौधा, चौकी देवरबीजा 02 प्रकरण में 30 किलो 056 ग्राम गांजा एवं टेबलेट थाना नवागढ 01 प्रकरण में 114600 नग टेबलेट (नशीली दवाइयों), इंजेक्शन चौकी मारो 01 प्रकरण में 80 नग नशीली इंजेक्शन (नशीली दवाइयों), कुल 11 प्रकरणों में गांजा 119 किलो 408 ग्राम, 114600 नग टेबलेट, 74 नग इंजेक्शन (नशीली दवाइयों) जुमला कीमती लगभग 17 लाख 88 हजार 3 सौ 20 रूपये को विधिवत जन सामान्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये पर्यावरण विभाग से अनुमति उपरांत बायोटेक फ्युल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पथर्रा में गांजा को जलाकर एवं टेबलेट, इंजेक्शन (नशीली दवाइयों) को भी विधिवत नष्टीकरण किया गया। इस नष्टीकरण कार्यवाही में पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, जिला अबकारी अधिकारी डॉ. पलक नंद, एवं सउनि माधव सिंह, प्रधान आरक्षक खुबचंद बघेल, अनिल तिवारी, विक्रम सिंह, विनोद पात्रे, दीना नाथ यादव, ओम प्रकाश मनहर, नंदलाल चतुर्वेदी, नरेन्द्र सिंह, सुखेलाल बंजारे, महिला प्रधान आरक्षक अनुपमा दुबे, आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह, अमित निषाद, तारकेश्वर साहू, असलम खान, हेमलाल साहू एवं बायोटेक फ्युल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पथर्रा के पदाधिकारी व बेमेतरा के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नील-हरित शैवाल उत्पादन को बढ़ावा, टिकाऊ कृषि की दिशा में बड़ा कदम

बेमेतरा। जिले में कृषि क्षेत्र को अधिक उन्नत, किफायती और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में नील-हरित शैवाल का उत्पादन प्रारंभ किया गया है। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के संयुक्त प्रयासों से शासकीय प्रक्षेत्र मोहगांव में इस जैविक तकनीक को सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन उपलब्ध कराना तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करना है। नील-हरित शैवाल, जिसे जैव उर्वरक के रूप में जाना जाता है, धान सहित विभिन्न फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है।

मदर कल्चर के माध्यम से जिलेभर में विस्तार की योजना

कृषि विभाग द्वारा मोहगांव प्रक्षेत्र में तैयार किए गए नील-हरित शैवाल के मदर कल्चर का उपयोग करते हुए इसे जिले के अन्य गांवों एवं कृषकों के खेतों तक विस्तार देने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी क्रम में ग्राम मोहभट्ठा के प्रगतिशील कृषक टोकेश्वर साहू के खेत में भी नील-हरित शैवाल का उत्पादन सफलतापूर्वक प्रारंभ किया गया है। विभाग का लक्ष्य है कि इस नवाचार को जिले के अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाए, जिससे वे अपने खेतों में इसका उपयोग कर सकें और उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ लागत में कमी ला सकें।

मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं लागत में कमी का प्रभावी माध्यम

नील-हरित शैवाल का उपयोग मृदा की उर्वरता बढ़ाने में अत्यंत सहायक होता है। यह वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर कर मिट्टी में उपलब्ध कराता है, जिससे फसलों को प्राकृतिक रूप से पोषण मिलता है। इसके उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है, जिससे किसानों की लागत घटती है और पर्यावरण पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव भी कम होता है। साथ ही यह मृदा की संरचना एवं जैविक गतिविधियों को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे दीर्घकालीन कृषि उत्पादकता में वृद्धि होती है।

किसानों से अपील : नवाचार अपनाकर बढ़ाएं उत्पादन

उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने जिले के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे नील-हरित शैवाल जैसी उन्नत एवं लाभकारी तकनीक को अपनाएं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायक है, बल्कि खेती को अधिक लाभकारी एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसानों को चाहिए कि वे इस नवाचार का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आधुनिक, टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ें। बेमेतरा जिले में नील-हरित शैवाल उत्पादन की यह पहल आने वाले समय में कृषि क्षेत्र में एक मॉडल के रूप में स्थापित हो सकती है, जिससे अन्य जिलों के किसान भी प्रेरणा लेकर इसे अपनाएंगे।

कृषि विभाग द्वारा प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन

कृषि विभाग द्वारा किसानों को नील-हरित शैवाल उत्पादन एवं उसके प्रभावी उपयोग के संबंध में निरंतर प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा खेत स्तर पर प्रदर्शन, कार्यशालाएं एवं जागरूकता कार्य म आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि किसान इस तकनीक को आसानी से समझकर अपनाएं। इसके साथ ही किसानों को आवश्यक संसाधन एवं सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

टिकाऊ कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

यह पहल न केवल किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायक होगी, बल्कि टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा देगी। रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण का संरक्षण संभव होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ कृषि प्रणाली सुनिश्चित की जा सकेगी। यह प्रयास राज्य एवं केंद्र सरकार की जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप भी है।

गरिमामय वातावरण में हुआ नारद मुनि जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह

कवर्धा। छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन, कवर्धा के तत्वावधान में आयोजित नारद मुनि जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह पंडरिया नगर में अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए पत्रकारों, समाजसेवियों, महिला प्रतिनिधियों, युवा संगठनों के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्रदान की। समारोह का मुख्य उद्देश्य देवर्षि नारद मुनि के आदर्शों को स्मरण करते हुए निष्पक्ष, सजग और जनहितैषी पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और यह स्तंभ जितना मजबूत होगा, लोकतंत्र उतना ही सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की नब्ज पहचानते हैं और जनहित के मुद्दों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में सेतु की भूमिका निभाते हैं। देवर्षि नारद मुनि को संचार और संवाद का प्रथम प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि सत्य, निष्पक्षता और निर्भीक अभिव्यक्ति उनके जीवन के मूल तत्व थे, जिनसे आज के पत्रकारों को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारों के समर्पण और साहस की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के विशेष अतिथि कृषक कल्याण परिषद के कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त सदस्य सुरेश चंद्रवंशी ने कहा कि पत्रकार समाज का सजग प्रहरी है। विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य को सामने लाना पत्रकारों की पहचान है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सकारात्मक, रचनात्मक पत्रकारिता समाज में जागरूकता और पारदर्शिता को बढ़ावा देती है। उन्होंने सभी पत्रकारों से तथ्यपरक और जनहितकारी पत्रकारिता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चंद्रशेखर वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद ने देवर्षि नारद मुनि के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने संवाद के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किया। वे केवल संदेशवाहक ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के वाहक थे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब सूचना का प्रवाह तीव्र है, तब पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे सत्य और संतुलन के साथ समाज को मार्गदर्शन दें। छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर दुबे ने पत्रकारों को सम्मानित करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके समर्पण, साहस और निष्पक्ष पत्रकारिता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यूनियन सदैव पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन का उद्देश्य पत्रकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहां से वे निर्भीक होकर अपनी आवाज बुलंद कर सकें।

कार्यक्रम का सफल संचालन यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष सोन कुमार सिन्हा ने किया। आभार प्रदर्शन संभागीय उपाध्यक्ष भुवन पटेल एवं जिला अध्यक्ष श्याम टंडन ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह आयोजन पत्रकारिता के गौरव को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत पंडरिया अध्यक्ष नंदनी साहू, नगर पंचायत पांडातराई अध्यक्ष सरिता सोनी, जिला पंचायत सदस्य राजेश्वरी महेंद्र घृतलहरे, प्रदीप गोस्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं संगठन की ओर से प्रदेश संयोजक सतीश बौद्ध, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष व्यास पाठक, संभागीय अध्यक्ष गौरी शंकर सिंह, पंडरिया ब्लॉक अध्यक्ष टीकम चंद जैन, सहसपुर लोहारा ब्लॉक अध्यक्ष उमेश छेदावी तथा बोड़ला से जगदंबिका साहू, दुजराम यादव, विकास शुक्ला पुरुषोत्तम मानिकपुरी, टिकेश्वर साहू, गुरदीप सिंह,अनीता यादव, पार्वती यादव, राजेंद्र पटेल , तोरण,बहादुर सोनी , विजेंदर सलूजा विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रदेश के अनेक पत्रकारों को सम्मानित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण समिति, आस्था समिति, बेजुबान सेवा समिति, भोरमदेव समिति, स्वच्छता दीदी, लखपति दीदी सहित समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को भी सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर महिला प्रतिनिधियों और युवा संगठनों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और अधिक व्यापक स्वरूप दिया। पूरे समारोह ने यह संदेश दिया कि पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम है। देवर्षि नारद मुनि के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए पत्रकार समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। कवर्धा में आयोजित यह आयोजन न केवल स्थानीय बल्कि प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भी पत्रकारिता के सम्मान और उसकी प्रासंगिकता को नई ऊर्जा देने वाला सिद्ध हुआ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com